आतंकियों की लिस्ट में थे दो और टूरिस्ट प्लेस

कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। लेकिन अब पता चला है कि सिर्फ पहलगाम ही नहीं बल्कि आतंकियों की लिस्ट में दो और टूरिस्ट प्लेस थे।

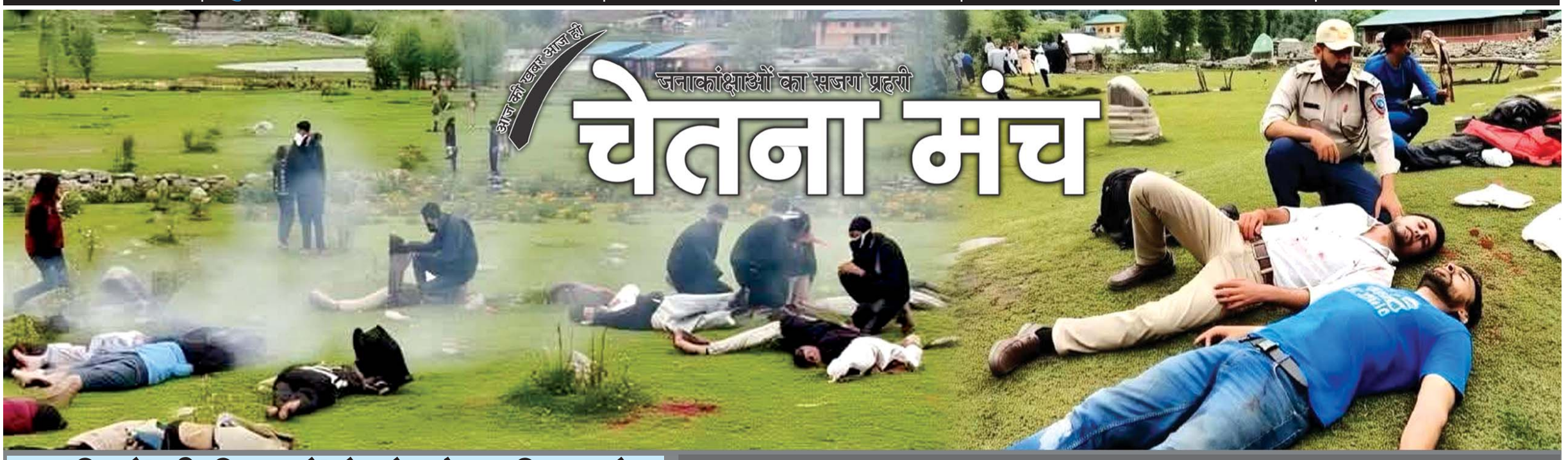

सूत्रों का कहना है कि पहलगाम हमले से पहले 15 अप्रैल को आतंकियों ने तीन और जगहों पर रेकी की थी। एक आतंकी ने पहलगाम के एम्यूजमेंट पार्क की रेकी की थी। यहां सुरक्षा-व्यवस्था कड़ी होने की वजह से इसे टाल दिया गया था।

बैसरन घाटी में हमले के दौरान आतंकी अल्ट्रास्टेट कम्युनिकेश सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे थे। इस सिस्टम के जरिए आतंकी बिना सिम के कम्युनिकेट और मैसेज कर सकते हैं। इस सिस्टम के दो सिग्नल ट्रेस हुए हैं। एनआईए की जांच में पहलगाम हमले को लेकर लगातार रोज नए खुलासे हो रहे हैं। एनईए लगातार घटनास्थल पर जाकर आतंकी हमले के सुराग खंगाल रही है।

भारत की एयर स्ट्राईक

पाकिस्तान के लिए एयरस्पेस बंद

कश्मीर (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तान के लिए मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं। पहले भारत ने एक्शन लेते हुए सिंधु जल समझौते को सस्पेंड किया और अटारी बॉर्डर क्लोज करने के साथ ही कई बड़े फैसले लिए। तो जबाव में पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया। अब भारत की ओर से तगड़ा पलटवार किया गया है और पाकिस्तान के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। ये कई मायनों में पाकिस्तान को बड़ी आर्थिक चोट पहुंचाने वाला फैसला साबित हो सकता।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत एक के बाद एक झटका पाकिस्तान को देता जा रहा है और इनसे पाकिस्तान बौखलाया नजर आ रहा है। बुधवार को एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने एक नोट जारी किया, जिसके मुताबिक भारत ने 23 मई 2025 तक के लिए पाकिस्तानी विमानों के भारतीय एयरस्पेस में एंट्री को बैन कर दिया है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान में रजिस्टर्ड विमानों, पाकिस्तानी एयरलाइंस और ऑपरेटरों के स्वामित्व वाले विमानों के लिए भारतीय हवाई क्षेत्र उपलब्ध नहीं होगा। ये बैन पाकिस्तानी कॉमर्शियल और सैन्य विमानों पर भी लागू होगा।

पाक खिलाड़ी अरशद का इंस्टाग्राम ब्लॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब पाकिस्तान के स्टार जैवलिन थ्रोअर (भाला फेंक खिलाड़ी) अरशद नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट एक 'कानूनी अनुरोध' के बाद भारत में ब्लॉक कर दिया गया है। सरकार उन पाकिस्तानी सोशल मीडिया अकाउंट पर एक्शन ले रही है, जिनके भारत में बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं। इसी कड़ी में अब अरशद नदीम के इंस्टाग्राम अकाउंट को भारत में प्रतिबंधित किया गया है।

भारत में अरशद नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट खोलने की कोशिश करने वालों को यह संदेश मिल रहा है, 'भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। इस आशय के कानूनी अनुरोध के बाद यह फैसला लिया गया।' (शेष पृष्ठ-3 पर)

पहलगाम पहुंचे एनआईए के महानिदेशक

कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आज एनआईए के महानिदेशक सदानंद दाते घटनस्थान पर पहुंचे हैं। 22 अप्रैल को पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की एनआईए जांच कर रही है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष टीम हाईटेक उपकरणों के साथ बुधवार को फिर से बायसरन में घटनास्थल पर पहुंची। एनआईए बायसरन घाटी में 3डी मैपिंग करेगी, ताकि आतंकियों के एंट्री-एग्जिट पॉइंट का सटीक पता लगाया जा सके।

चुनौतियां आएं तो वेदों की ओर ध्यान दें : उपराष्ट्रपति

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल की पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का किया विमोचन

लखनऊ (एजेंसी)। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि जब कभी भी हमारे सामने कोई चुनौती आए तो हमें अपने वेदों गीता, रामायण और महाभारत पर ध्यान देना चाहिए। हमारे दर्शन में यह लिखा गया है। उन्होंने कहा कि चुनौतियों का सामना करने वाले हमेशा ऊंचाईयों पर पहुंचते हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल की पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का विमोचन करने के बाद यह बात कही। लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचने पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती डॉ. सुदेश धनखड़ का उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, (शेष पृष्ठ-3 पर)

दलित उत्पीड़न के विरोध में सपा का फूटा आक्रोश

नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय पर धरना प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में दलितों पर हो रहे अत्याचार तथा समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन पर हुए हमले के खिलाफ आज समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं का आक्रोश फूड पड़ा। आज सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सेक्टर-19 स्थित नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय पर धरना तथा प्रदर्शन किया। इसके बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की मांग है कि उत्तर प्रदेश में दलितों पर हो रहे अत्याचारों पर तुरंत रोक लगाई जाए तथा सपा सांसद रामजीलाल के आवास तथा हाल ही में उनके काफिले पर हुए कातिलाना हमले के आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए तथा उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सपा सांसद पर करणी सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे हमले के पीछे प्रदेश की भाजपा सरकार का खुला संरक्षण प्राप्त है। इसलिए हमलावरों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इस प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी के नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता, महामंत्री विकास यादव, सपा के वरिष्ठ नेता भीष्म यादव, देवेंद्र सिंह अवाना, जगत चौधरी, पूर्व महानगर अध्यक्ष रेसपाल अवाना, देवेंद्र गुर्जर, बबलू चौहान, रामवीर यादव, मुन्ना आलम, शालिनी खारी, कालू यादव, रणधीर एडवोकेट, मुकेश वाल्मीकि, मोहम्मद नौशाद, वीरपाल अवाना, टीटू यादव, उदय सिंह, मनोज गोयल, अच्छे मियां, गुलजार अल्वी, संतोष यादव, शिवकुमार यादव, निसार अहमद, संजय यादव, संतोष चौटाला, नितिन वाल्मीकि, महकर तंवर, गौरव यादव, सतबीर गौतम, सुमित, कवित, मनोज गोयल, ओसामा आलम, मयंक कुमार लाल समेत सैकड़ों पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

नेहा सिंह राठौर की मुश्किलें बढ़ीं, अयोध्या में एफआईआर

लखनऊ (एजेंसी)। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। लखनऊ में शिकायत दर्ज होने के बाद अब अयोध्या की एक अदालत में भी नेहा सिंह के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सीटू ने मनाया मजदूर दिवस की जनसभा

नोएडा (चेतना मंच)। आज मई दिवस पर सीटू कार्यालय भंगेल फेस-2 नोएडा पर सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, सचिव रामस्वारथ के नेतृत्व में प्रातः 9:00 बजे झंडा रोहण व सभा कर मजदूरों ने मजदूर दिवस मनया।

इस दौरान केंद्र/ प्रदेश सरकार की मजदूर विरोधी जन विरोधी नीति व लेबर कोडों के खिलाफ चल रही लड़ाई को मजबूत करने व 20 मई 2025 को होने वाली हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, सचिव राम स्वारथ, अनमोल इंडस्ट्रीज एंप्लाज यूनियन के अध्यक्ष मुकेश कुमार राघव, सुखलाल, मनोज वैश्य, अंजलि शरण, जितेन्द्र सिंह, जोगेन्द्र सैनी, राकेश कुमार, अशोक आदि सैकड़ों मजदूर व सीटू पदाधिकारी मौजूद थे।

प्राधिकरण शीघ्र लाएगा औद्योगिक व वाणिज्यिक भूखंडों की योजना

नोएडा (चेतना मंच)। क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए नोएडा प्राधिकरण औद्योगिक तथा वाणिज्यिक क्षेत्र में करीब 50 भूखंडों की योजना ला रहा है। यह योजनाएं फेज-1, फेज-2, सेक्टर-142, 62, 63 क्षेत्रों में स्थित हैं। औद्योगिक क्षेत्र में 13 भूखंड तथा वाणिज्यिक क्षेत्र में करीब 32 भूखंडों की योजना लांच होगी।

इंडस्ट्रियल योजना के लिए 8 हजार वर्गमीटर तक के 125 प्लाट चिन्हित किए गए है। ये प्लाट फेज-1 और फेज-2 में है। इनका आवंटन ई ऑक्शन के जरिए किया जाएगा। इसी तरह कामर्शियल योजना के लिए भी तैयारी पूरी की जा चुकी है।

कामर्शियल के लिए 32 भूखंड चिन्हित किए गए। इसमें 300 वर्गमीटर के 24 भूखंड, 20 हजार से कम के तीन भूखंड चिन्हित किए गए। इसमें सेक्टर-13 में 15 हजार 600 वर्गमीटर का एक भूखंड, सेक्टर-63 में 17 हजार वर्गमीटर का एक भूखंड और सेक्टर-62 में 7 हजार वर्गमीटर का एक भूखंड शामिल है। वहीं 20 हजार वर्गमीटर से अधिक के 5 भूखंड की योजना प्राधिकरण लेकर आ रहा है। ये सभी कामर्शियल है। जिसमें दुकान और मॉल आदि खोले जा सकते है।

इसके अलावा ग्रुप हाउसिंग और इंस्टीट्यूशनल स्कीम भी प्राधिकरण जल्द लांच करेगा। जिसमें ग्रुप हाउसिंग में दो प्लाट और इंस्टीट्यूशनल में नर्सिंग और स्कूल के लिए प्लाट हो सकते है।

दलित प्रेरणा स्थल पर जाम से मिलेगी निजात

7 मीटर चौड़ी होगी रोड : महेन्द्र प्रसाद

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली से ग्रेनो एक्सप्रेस वे वाया नोएडा जाने वाली लिंक रोड के एक तरफ को चौड़ा किया जा चुका है। अब दूसरी तरफ की लिंक रोड को चौड़ा किया जाएगा। इस रोड पर राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल भी है। किसी भी योजना से पहले दलित प्रेरणा स्थल कमेटी से अनुमति लेना अनिवार्य है। लखनऊ से ये अनुमति नोएडा प्राधिकरण को मिल गई है। यानी अब सेक्टर-18 फ्लाइओवर के अंतिम छोर से लेकर डीएनडी लूप तक की सड़क को चौड़ा किया जा सकेगा।

ओएसडी महेन्द्र प्रसाद ने बताया कि यहां सड़क को करीब 200 मीटर तक एक लेन के बराबर चौड़ा किया जाएगा। जिससे एक्सप्रेस व नोएडा के सेक्टर-18 से दिल्ली जाने वाले ट्रैफिक को जाम में नहीं फंसना होगा। खास बात ये है कि यहां पेड़ों को भी नहीं हटाया जाएगा। इस पेड़ों को सेंट्रल वर्ज में कंवर्ट कर दिया जाएगा। जिससे ये दिखने में और आकर्षक लगेंगे। सड़क चौड़ीकरण का कार्य इसी महीने के अंत तक शुरू कर दिया जाएगा। सड़क चौड़ीकरण के दौरान ट्रैफिक मूवमेंट पर असर नहीं होगा। प्राधिकरण ने बताया कि यहां करीब 6 मीटर तक सड़क चौड़ी की जाएगी। इसके लिए दलित प्रेरणा स्थल के लिए लगे पोल और टाइल्स हो हटाना होगा। वो हटने के बाद यहां सड़क चौड़ी हो जाएगी। बता दे इस रुट पर रोजाना करीब 10 लाख से ज्यादा वाहन निकलते है। इसी रूट पर जाम को समाप्त करने के लिए सड़क चौड़ी और एलिवेटेड रोड बनाई जा रही है। एलिवेटेड बनने में करीब 3 साल का समय लगेगा। इसलिए पहले सड़क चौड़ी करण काम होगा।

ADMISSION OPEN
SARASWATI
GLOBAL
SCHOOL
NCERT
BOOKS
(Buy NCERT Books from any stationary shop)
Sector 22 Noida
Mob.8750611103

प्रथम राष्ट्र

सबसे महत्वपूर्ण और प्रथम राष्ट्र है। प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, सांसद, राजनीतिक दल और देश के औसत नागरिक उसके हिस्से हैं। राष्ट्र का अस्तित्व है, तो सभी का अस्तित्व है। पहलगाम नरसंहार हमारे भारत की आत्मा, अस्तित्व और संप्रभुता पर हमला था। उसे तनिक भी भुलाया नहीं जा सकता। भारत को हिंदू और मुसलमान में विभाजित कर आघात नहीं किया जा सकता। हम ऐसा आघात बर्दाश्त नहीं करेंगे, क्योंकि राष्ट्र के सवाल पर सभी समुदाय एकजुट हैं। नरसंहार के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। उसमें सवाल जरूर उठे होंगे, लिहाजा मोदी सरकार ने खुफिया-सुरक्षा चूक को भी स्वीकार किया। जो नेता कट्टरपंथी किस्म के दिखाई देते हैं, आज वे भी सरकार के साथ हैं और प्रधानमंत्री मोदी के किसी भी फैसले का समर्थन कर रहे हैं। वक्फ जैसा संवेदनशील मुद्दा नेपथ्य में डाल दिया गया है। फिलहाल आतंकवाद पर आंख गड़ी है और उसे सबक सिखाना है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के जरिए नरसंहार के पीड़ित परिवारों के साथ अपनी व्यथा और अपना गुस्सा साझा किए हैं। एक बार फिर उन परिवारों को आश्वस्त किया गया है कि न्याय जरूर मिलेगा। हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब जरूर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री को एहसास है कि हर भारतीय का खून, आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर, खौल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के इस आश्वासन पर भरोसा करना चाहिए। हमले के तुरंत बाद आतंकियों और उनके आकाओं पर पलटवार के तौर पर हमला नहीं किया जा सकता। यह भी कूटनीतिक और सामरिक रणनीति का हिस्सा है। दिल्ली से कश्मीर तक बैठकों और गहन जांच के दौर जारी हैं। जांच में इसरो को भी शामिल किया गया है। 10 आतंकियों के घर जमींदोज कर दिए गए हैं। कुछ घरों में विस्फोटक भी दिखे हैं। करीब 2000 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। तीनों सेनाओं के प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच 40 मिनट की मुलाकात हुई। जाहिर है कि पाकिस्तान पर हमले के प्रारूपों पर विमर्श हुआ होगा! दुनिया के 40-45 देशों के राष्ट्राध्यक्षों, राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों आदि ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत की है और आतंकवाद के खिलाफ भारत को भरपूर समर्थन दिया है। प्रमुख मुस्लिम देश भी भारत के साथ खड़े हैं। चीन, तुर्किये सरीखे देशों ने भी पाकिस्तान को सार्वजनिक समर्थन नहीं दिया है। वे पाकिस्तान की फितरत और हकीकत जानते हैं। क्या कुछ विपक्षी दलों को ये गतिविधियां दिखाई नहीं देती हैं? यह सवालों का नहीं, राष्ट्र के तौर पर एकजुट दिखने का समय है। प्रधानमंत्री का सर्वदलीय बैठक में न आ पाना कोई बुनियादी सवाल नहीं है। बैठक में रक्षा मंत्री और गृह मंत्री थे, जो सुरक्षा और खुफिया संबंधी सवालों के प्रति पूरी तरह जवाबदेह होते हैं। क्या उनकी मौजूदगी महत्वपूर्ण नहीं थी? यह फरवरी, 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल किए गए कथित 300 किग्रा आरडीएक्स विस्फोटक पर बार-बार सवाल करने का समय नहीं है। यह किसी कथित आतंकी को भाजपा का टिकट देने पर सवाल करने का भी समय नहीं है। यह आतंकी हमले गिनवाने का भी समय नहीं है। घटना 1984 की है, लिहाजा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके आधिकारिक आवास में हत्या को सबसे अहम सुरक्षा चूक करार देना आज न तो प्रासंगिक है और न ही उचित समय है। यह युद्ध की संभावनाओं पर सोचने और रणनीति तैयार करने का समय है। एक अंतरराष्ट्रीय शोध रपट के मुताबिक, यदि भारत-पाक में पूर्ण युद्ध छिड़ा, तो भारत का नुकसान 0.65 फीसदी और पाकिस्तान का 0.95 फीसदी होगा। युद्ध की कीमत और प्रभाव की भरपाई में भारत को 7.5 साल और पाकिस्तान को करीब 10 साल लग सकते हैं। इसमें परमाणु युद्ध के नुकसान और असर शामिल नहीं हैं। बेशक पाकिस्तान पर फिलहाल 13085 करोड़ डॉलर का कर्ज है। पाकिस्तान की जीडीपी का 65.7 फीसदी कर्ज है। कल्पना कीजिए कि युद्ध के फलितार्थ क्या हो सकते हैं? कांग्रेस आश्वस्त रहे कि जो भी निर्णय लिया जाएगा, वह व्यापक और निर्णायक होगा।

लोकल ही नहीं ग्लोबल टेरिज्म का सबसे बड़ा चैंपियन है पाकिस्तान

पाकिस्तान कह रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले में हमारा हाथ नहीं है। पाकिस्तान कह रहा है कि हम तो खुद ही आतंकवाद के खिलाफ हैं इसलिए आतंकवाद को कैसे फैला सकते हैं। जबकि असलियत यह है कि दुनिया के किसी भी कोने में होने वाले आतंकवादी हमले के तार कहीं ना कहीं पाकिस्तान से जुड़े हुए नजर आते हैं। आप तमाम तथ्यों पर गौर करेंगे तो पता चलेगा कि पाकिस्तान का आतंकवाद को प्रायोजित करने, शरण देने और निर्यात करने का जोरदार रिकॉर्ड है। पाकिस्तान सिर्फ सीमा पार से भारत में ही आतंकवादियों को नहीं भेजता बल्कि यह देश दशकों से अपनी ज़मीन का इस्तेमाल दुनिया भर में आतंकवाद, विद्रोह और कट्टरपंथी विचारधारा के लिए एक लॉन्चपैड के रूप में करता है। पाकिस्तान के नेता और अधिकारी भी समय-समय पर इस बात को स्वीकारते रहे हैं कि वह आतंकवाद वहां की सरकारी नीति रही है।

हम आपको याद दिला दें कि 2018 में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ ने संकेत दिया था कि 2008 के मुंबई हमलों में जोकि पाकिस्तान-आधारित इस्लामी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा द्वारा किए गए थे, उसमें पाकिस्तानी सरकार की भूमिका हो सकती है।

हम आपको याद दिला दें कि परवेज़ मुशर्रफ़ ने स्वीकार किया था कि उनकी सेना ने भारतीय प्रशासित कश्मीर में भारत से लड़ने के लिए आतंकवादी समूहों को प्रशिक्षण दिया था। उन्होंने माना था कि सरकार ने जानबूझकर आंखें मूंद लीं थीं क्योंकि वह भारत को बातचीत के लिए मजबूर करना और इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाना चाहती थी।

यही नहीं, अभी कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने स्वीकार किया था कि देश ने तीन दशकों से अधिक समय तक आतंकवादी समूहों का समर्थन किया। उन्होंने इसे अमेरिका-नेतृत्व वाली विदेश नीति से जुड़ी एक 'भूल' भी बताया।

वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के निर्यात का पाकिस्तान का रिकॉर्ड देखेंगे तो वह भी 'शानदार' रहा है। आस-पड़ोस छोड़िये, दूरदराज के देशों तक को पाकिस्तान ने नहीं छोड़ा है। अफगानिस्तान की ओर देखें तो पता चलता है कि पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) ने अफगान तालिबान और हक्कानी नेटवर्क को फंडिंग, प्रशिक्षण और सुरक्षित पनाह मुहैया कराई। जिससे इन समूहों ने अफगान नागरिकों, सरकारी ठिकानों और अंतरराष्ट्रीय बलों पर कई घातक हमले किए, जिनमें 2008 का काबुल स्थित भारतीय दूतावास पर हमला और 2011 का अमेरिका दूतावास पर हमला भी शामिल है। वरिष्ठ पत्रकार कार्लोटा गॉल ने अपनी पुस्तक में लिखा था कि इस हमले को

पाकिस्तान को भारत इस बार करारा सबक सिखाने की तैयारी कर चुका है। माना जा सकता है कि इस बार इस्लामाबाद और रावलपिंडी में बैठे लोगों की हेकड़ी इस कदर निकलेगी कि पाकिस्तानी आतंकवाद से सिर्फ भारत को ही नहीं बल्कि दुनिया को भी राहत मिलेगी।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अनुमोदित किया गया था और इसकी निगरानी की गई थी।

यही नहीं, रूस के मॉस्को में पिछले साल कॉन्सर्ट हॉल हमले की जांच के दौरान इस साल हमले में पाकिस्तान से जुड़ा लिंक सामने आया। रूसी अधिकारियों ने मास्टरमाइंड को एक ताजिक नागरिक के रूप में पहचाना और पाकिस्तान से संभावित कनेक्शन की जांच शुरू की है। रिपोर्ट्स में कहा गया कि हमलावरों को लॉजिस्टिकल या वैचारिक समर्थन पाकिस्तानी नेटवर्क से मिला हो सकता है। ईरान की ओर देखें तो सामने आता है कि पाकिस्तान स्थित सुन्नी उग्रवादी समूह जैश उल-अदल ने ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में बार-बार ईरानी सुरक्षा बलों पर हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने 16 जनवरी 2024 को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें जैश उल-अदल के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। ईरान नियमित रूप से पाकिस्तान पर सुन्नी आतंकवादियों को शरण देने और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाता रहा है।

ब्रिटेन में 2005 के लंदन बम धमाके को भी याद कीजिये। 7 जुलाई 2005 को लंदन में हुए बम धमाकों को अंजाम देने वाले चार ब्रिटिश इस्लामी आतंकवादियों का संबंध पाकिस्तान में प्रशिक्षण और कट्टरपंथी विचारधारा से था। जांच में यह बात सामने आई थी कि तीन हमलावर— मोहम्मद सिद्दीक़ खान, शहज़ाद तनवीर और जर्मेन लिंडसे ने 2003 से 2005 के बीच पाकिस्तान में समय बिताया था।

यही नहीं, आतंकवाद से लड़ाई में पाकिस्तान कितना दोहरा रवैया अपनाता है इसका खुलासा तब हुआ था जब 2011 में अमेरिका ने अल-कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान के एबटाबाद में मार गिराया था। ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान की सैन्य अकादमी के पास एक सुरक्षित परिसर में वर्षों तक रहा, जिससे ड्डस्ड्ड की मिलीभगत सामने आई। एक ओर ओसामा को ढूँढ़ने के नाम पर पाकिस्तान अमेरिका से अरबों डॉलर ऐंठता रहा तो दूसरी ओर ओसामा को खुद ही सुरक्षित पनाहगाह में छिपाकर रखे रहा।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को भी नहीं बख्शा। आज भले बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार का पाकिस्तान पर प्रेम उमड़ रहा हो लेकिन असलियत यही है कि इस्लामाबाद ने ढाका को अस्थिर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जरा बांग्लादेश में जमात-उल-मुजाहिदीन (JMB) की गतिविधियाँ याद कीजिये। पाकिस्तान की ISI पर प्रतिबंधित इस्लामी संगठन JMBको फंडिंग और प्रशिक्षण देने का आरोप है, जिसने 2016 के ढाका गुलशन कैफे पर हमले के दौरान 20 बंधकों की हत्या को अंजाम दिया था। यही नहीं, 2015 में बांग्लादेशी अधिकारियों ने पाकिस्तानी राजनयिकों को देश से तब निकाल दिया जब उन्हें JMB के एजेंटों को पैसा ट्रांसफर करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। इसके अलावा, साल 2020 की एक खुफिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि ISI ने बांग्लादेश के कॉक्स बाज़ार स्थित शिविरों में 40 रोहिंग्या शरणार्थियों को JMB के ज़रिए प्रशिक्षित किया था ताकि उन्हें भारत में घुसपैठ के लिए तैयार किया जा सके। हम आपको बता दें कि JMB का नेटवर्क, खाड़ी देशों के NGO और पाकिस्तानी बिचौलियों के जरिए फंडिंग पाता है और पश्चिम बंगाल, केरल जैसे भारतीय राज्यों में यह अपने सक्रिय स्लीपर सेल बनाए हुए है।

पाकिस्तान प्रायोजित 'आतंकवाद के स्कूलों' की बात करें तो आपको बता दें कि इसके तहत सैन्य और खुफिया नेटवर्क द्वारा सैनिकों को जिहादी प्रशिक्षक बना दिया गया है और पूरे दक्षिण एशिया में दशकों से आतंक फैलाया जा रहा है। पाकिस्तान अपने पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, वज़ीरिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (PoK) जैसे प्रांतों में आतंकवाद प्रशिक्षण शिविरों का नेटवर्क चलाता है। इन शिविरों का संचालन लश्कर-ए-तैयबा (LeT), जैश-ए-मोहम्मद (JeM), हिज्बुल मुजाहिदीन (HM) और आईएसआईएस-खोरासन जैसे संगठनों द्वारा किया जाता है। पूर्व पाकिस्तानी सैनिक अक्सर इन प्रशिक्षणों में सहायता करते हैं, जिससे इन अभियानों की घातक क्षमता और बढ़ जाती है।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिकी विदेश विभाग की 2019 की आतंकवाद पर रिपोर्ट में पाकिस्तान को एक ऐसा देश बताया गया था, जो क्षेत्रीय रूप से केंद्रित आतंकवादी समूहों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बना रहा। यूरोपीय फाउंडेशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज़ ने पाकिस्तान की सैन्य, ISI और कट्टरपंथी धार्मिक नेताओं के बीच गहरे संबंधों को उजागर किया था। यही नहीं, सितंबर 2019 में ब्रिगेडियर शाह ने एक पाकिस्तानी निजी चैनल 'हम न्यूज़' पर पत्रकार नदीम मलिक को दिए साक्षात्कार में खुलासा किया था कि सरकार ने जमात-उद-दावा (JuD) जैसे आतंकी संगठनों को मुख्यधारा में लाने के लिए उन पर लाखों रुपये खर्च किए। इसके अलावा, एक अन्य साक्षात्कार में परवेज़ मुशर्रफ़ ने स्वीकार किया था कि कश्मीरियों को पाकिस्तान में 'मुजाहिदीन' के रूप में प्रशिक्षित किया गया, ताकि वे जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना से लड़ सकें। उन्होंने आगे कहा था कि जिहादी आतंकवादी पाकिस्तान के 'हीरो' हैं। उन्होंने ओसामा बिन लादेन, अयमान अल-जवाहिरी और जलालुद्दीन हक्कानी जैसे वैश्विक आतंकवादियों को 'हीरो' की संज्ञा दी थी।

बहरहाल, पहलगाम हमला मामले से अपना पलड़ा झाड़ रहे पाकिस्तान को भारत इस बार करारा सबक सिखाने की तैयारी कर चुका है। माना जा सकता है कि इस बार इस्लामाबाद और रावलपिंडी में बैठे लोगों की हेकड़ी इस कदर निकलेगी कि पाकिस्तानी आतंकवाद से सिर्फ भारत को ही नहीं बल्कि दुनिया को भी राहत मिलेगी।

- नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि वे स्त्री-पुरुष (राजा-रानी) भक्तों पर कृपा करने वाले भगवान को हृदय में धारण करके कुछ काल तक उस आश्रम में रहे। फिर उन्होंने समय पाकर, सहज ही (बिना किसी कष्ट के) शरीर छोड़कर, अमरावती (इन्द्र की पुरी) में जाकर वास किया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-यह इतिहास पुनीत अति उमहि कही बृषकेतु।
भरद्वाज सुनु अपर पुनि राम जनम कर हेतु॥

(याज्ञवल्क्यजी कहते हैं-) हे भरद्वाज! इस अत्यन्त पवित्र इतिहास को शिवजी ने पार्वती से कहा था। अब श्रीराम के अवतार लेने का दूसरा कारण सुनो॥

सुनु मुनि कथा पुनीत पुरानी। जो गिरिजा प्रति संभु बखानी॥
बिस्व बिदित एक कैकय देसू। सत्यकेतु तहँ बसइ नरेसू॥

हे मुनि! वह पवित्र और प्राचीन कथा सुनो, जो शिवजी ने पार्वती से कही थी। संसार में प्रसिद्ध एक कैकय देश है। वहाँ सत्यकेतु नाम का राजा रहता (राज्य करता) था॥

धरम धुरंधर नीति निधाना। तेज प्रताप सील बलवाना॥
तेहि कें भए जुगल सुत बीरा। सब गुन धाम महा रनधीरा॥

वह धर्म की धुरी को धारण करने वाला, नीति की खान, तेजस्वी, प्रतापी, सुशील और बलवान था, उसके दो वीर पुत्र हुए, जो सब गुणों के भंडार और बड़े ही रणधीर थे॥ (क्रमशः...)

तकनीक की जय हो! (व्यंग्य)

गुप्ता जी को एक क्रांतिकारी विचार आया। दुनिया तेज़ी से बदल रही थी, लेकिन वे महसूस कर रहे थे कि इंसान की नैतिकता उतनी ही तेज़ी से ढलान पर है। उन्होंने सोचा, 'जब लोग सच बोलकर शर्मिंदा होते हैं और झूठ

बोलकर गर्व महसूस करते हैं, तो क्यों न एक ऐसी मशीन बनाई जाए जो केवल झूठ ही पकड़ सके?'

गुप्ता जी वैज्ञानिक नहीं थे, लेकिन उन्होंने एक नई मशीन बनाने की ठानी। उन्होंने अपने पड़ोसी वर्मा जी की मदद ली, जो इलेक्ट्रॉनिक्स में डिप्लोमा किए हुए थे और कभी-कभी घर की ट्यूब लाइट ठीक करने में भी असफल रहते थे। दोनों ने मिलकर 'सत्य-परीक्षक यंत्र' नामक एक यंत्र तैयार किया, जो बोलने वाले के शब्दों को पकड़कर यह तय करता कि वह झूठ बोल रहा है या सच।

पहला परीक्षण गुप्ता जी ने अपनी पत्नी पर किया। उन्होंने पूछा, 'तुम मुझसे कितना प्यार करती हो?'

मशीन से तुरंत आवाज़ आई—'झूठ! झूठ! झूठ!'

गुप्ता जी हतप्रभ रह गए। पत्नी ने घूरकर देखा, जैसे कह रही हो, 'अब सोफे पर सोने की तैयारी कर लो।' लेकिन वे विज्ञान की महान उपलब्धि के नशे में थे, इसलिए उन्होंने परवाह नहीं की।

गुप्ता जी वैज्ञानिक नहीं थे, लेकिन उन्होंने एक नई मशीन बनाने की ठानी। उन्होंने अपने पड़ोसी वर्मा जी की मदद ली, जो इलेक्ट्रॉनिक्स में डिप्लोमा किए हुए थे और कभी-कभी घर की ट्यूब लाइट ठीक करने में भी असफल रहते थे।

अब यह मशीन समाज में सुधार लाने के लिए इस्तेमाल होनी थी। सबसे पहला प्रयोग हुआ शहर के सबसे ईमानदार नेता पर। मंच पर खड़े होकर नेता जी बोले, 'हम जनता के सेवक हैं, हमने हमेशा देशहित में काम किया है।

मशीन चीखने लगी—'झूठ! झूठ! घोर झूठ!'

सभा में सन्नाटा छा गया। भीड़ को पहली बार लगा कि शायद यह मशीन उनकी जिंदगी बर्बाद कर सकती है। नेता जी ने तुरंत इसे राष्ट्रविरोधी घोषित कर दिया और गुप्ता जी की गिरफ्तारी की माँग करने लगे।

अब अगला परीक्षण सरकारी दफ्तर में होना था। गुप्ता जी और वर्मा जी पहुंचे और एक बाबू से बोले, 'सर, यह सत्य-परीक्षक मशीन आपके विभाग के लिए बनाई गई है। यह रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण रखेगी।'

बाबू जी ने पहले हँसी उड़ाई, फिर गुस्से से बोले, 'हमारे ऑफिस में सब ईमानदारी से काम करते हैं।'

मशीन तुरंत बोल पड़ी—'झूठ! घोटाला! रिश्वत!'

बाबू जी का चेहरा ऐसा हो गया जैसे उन्होंने एक साथ चार नींबू चूस लिए हों। उन्होंने घूरकर देखा और तुरंत चपरासी को बुलाया, 'इन दोनों को बाहर निकालो और मशीन को ज़ब्त कर लो।' गुप्ता जी को समझ आ गया कि मशीन के लिए यहाँ कोई भविष्य नहीं है।

अब यह मशीन कोर्ट में ले जाई गई, जहाँ न्यायाधीश महोदय एक जटिल मामले की सुनवाई कर रहे थे। वकील साहब बोले, 'मेरा मुवक्किल निर्दोष है, उसने कुछ नहीं किया।'

मशीन फिर गरजी—'झूठ! झूठ! सबूत मिटाए गए हैं!'

कोर्ट में हंगामा मच गया। जज साहब को पहली बार एहसास हुआ कि इस मशीन का अस्तित्व ही उनकी कुर्सी के लिए ख़तरा है। उन्होंने तुरंत आदेश दिया कि यह मशीन संविधान-विरोधी है और इसका इस्तेमाल अवैध घोषित किया जाए।

अब गुप्ता जी को समझ में आ गया कि सत्य को साबित करना इस दुनिया में सबसे मुश्किल काम है। मशीन को बेचने का कोई विकल्प नहीं था, इसलिए उन्होंने इसे अपने घर में रख लिया। लेकिन दिक्कत यह हुई कि अब वे अपने घर में भी झूठ नहीं बोल सकते थे।

एक दिन पत्नी ने पूछा, 'बोलो, मेरी बनाई सब्ज़ी कैसी लगी?'

गुप्ता जी ने डरते-डरते कहा, 'बहुत स्वादिष्ट है।'

मशीन चिल्लाई—'झूठ! झूठ! झूठ!'

अब पत्नी ने बेलन उठाया और गुप्ता जी को मारने दौड़ी। वर्मा जी ने चुपचाप मशीन उठाई और बालकनी से नीचे फेंक दी। मशीन धड़ाम से गिरी और टूट गई। गुप्ता जी राहत की साँस लेते हुए बोले, 'तकनीक की जय हो! अब दुनिया में फिर से झूठ का राज क़ायम रहेगा।'

- डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',
(हिंदी अकादमी, मुंबई से सम्मानित नवयुवा व्यंग्यकार)

राशिफल

वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भावनाओं पर थोड़ा काबू रखें। प्रेम, संतान की स्थिति थोड़ी मध्यम रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
ग्रह कलह के संकेत हैं लेकिन भौतिक सुख सम्पदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान भी प्रभावित दिख रहा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी। व्यापार अच्छा लेकिन निवेश अभी न करें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
ओजस्वी तेजस्वी बने रहेंगे। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मन चिंतित रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान ठीक-ठाक।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कोर्ट कचहरी में जीत होगी। व्यापारिक विस्तार होगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगा। स्वास्थ्य पहले से अच्छी स्थिति में। प्रेम, संतान भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान थोड़ा मध्यम है। व्यापारिक दृष्टिकोण से पहले से बेहतर समय है

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। प्रेम, संतान मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति पहले से बेहतर होगी।

सांसद ने किया भाजपा मंडल कार्यालय का उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी ग्रेटर नोयडा मण्डल कार्यालय का उद्घाटन क्षेत्रीय सांसद डॉ महेश शर्मा के कर कमलों से जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमें एमएलसी श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, क्षेत्रीय मंत्री आशीष वत्स, पूर्व जिलाध्यक्ष विजय भाटी, दीपक नागर पूर्व मण्डल अध्यक्ष सतीश गुलिया, विजय रावलजी, महेश शर्मा, विलासपुर चेयरमैन संजय चेची, जिला पंचायत सदस्य देवा भाटी, सुनील भाटी सिरसा, मीडिया प्रभारी पंडित कर्मवीर आर्य सांसद प्रतिनिधि बलराज भाटी, रोहित शर्मा, जिला संयोजक सोशल मीडिया वरुण धीमान, मण्डल आईटी संयोजक राघवेंद्र त्रिपाठी, मुकेश दीक्षित, मण्डल महामंत्री संजय चौहान, राजेश शर्मा, योगेश सिंह, जिला युवामोर्चा महामंत्री चेतन वशिष्ठ, युवामोर्चा मण्डल अध्यक्ष सुनील पंडितजी, भरत परमार, पुनीत दीक्षित, गजेंद्र भाटी, सतीश छोंकर सहित बहुत सारे पार्टी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष अर्पित तिवारी ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने और पार्टी की नीतियों को जन जनतक पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सभी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए क्षेत्रीय सांसद डॉ महेश शर्मा व जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने स्पष्ट तौर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर कार्य करने पर जोर दिया।

देश के लिए काफी महत्वपूर्ण है एक राष्ट्र-एक चुनाव :यादव

भदोही (ब्यूरो)। 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के निमित्त विधानसभा भदोही के अंतर्गत नेशनल इंटर कॉलेज में युवा मोर्चा के द्वारा संगोष्ठी संपन्न हुई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार खेल राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव उपस्थित रहे। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने की।

मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव ने कहा 'एक राष्ट्र एक चुनाव' देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है पूर्ववर्ती सरकार इसका फायदा लिया जो सीधे जनता जनमानस पर इसका बोझ पड़ा 1952 से लेकर 1967 तक 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के नियमित विधानसभा लोकसभा के चुनाव कराए गए थे लेकिन आपसी तालमेल और स्वार्थ के हित को देखते हुए इस नियम का उल्लंघन किया गया जिस पर आम जनता जनमानस के ऊपर इसका असर पड़ा और बोझ पड़ा। प्रशासन भी कहीं न कहीं दबाव में आकर सपा, बसपा एवं कांग्रेस के चक्रव्यूह में फंसकर समय को बर्बाद किया। आप सब की जन आवाज राष्ट्र के हित में उपयोगी साबित होगी।

जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया और 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के लिए पुरजोर समर्थन किया जिला

समन्वयक गोवर्धन राय पार्टी के बताए गए रास्तों पर हम सभी लोग चलने का काम करेंगे। 'एक राष्ट्र एक चुनाव' यह कानून देश में लागू हो इसका पुरजोर समर्थन किया जाएगा और जनपद भदोही से इतिहास रचने का काम यहां के सभी जनता जनमानस करेंगे।

उपस्थित युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष कपिल मिश्रा मोहित अरुणेश अनुज पांडे मनीष पांडे सुभाष यादव संजय सरोज निराला सरोज अशोक पाठक श्रेया लता श्रीवास्तव आरती सिंह अजय चौहान आलोक जायसवाल मनीष तिवारी रवि विश्वकर्मा हर्ष तिवारी रवि सोनकर तथा समस्त कार्यकर्ता बंधु।

उत्तर प्रदेश में तीन बैंकों का हुआ मर्जर उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक रहेगा नाम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में बैंकिंग सेक्टर को लेकर बड़ी खबर आई है। उत्तर प्रदेश के बैंकिंग सेक्टर पर खबर यह है कि उत्तर प्रदेश के तीन बड़े ग्रामीण बैंक बृहस्पतिवार से एक बैंक में मर्ज हो गए। पूरे उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों को बैंकिंग सेवा प्रदान कर रहे तीन बैंकों का विलय करके उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के संचालन का फैसला किया गया है। इस फैसले को उत्तर प्रदेश की बैंकिंग व्यवस्था में अब तक का सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश के तीनों बैंकों का मर्जर 01 मई 2025 (आज) से प्रभावी रूप से लागू हो गया है।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में तीन ग्रामीण बैंक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते रहे हैं। इन तीन ग्रामीण बैंकों के नाम प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक, बड़ौदा यूपी बैंक तथा आर्यावर्त ग्रामीण बैंक है। 1 मई 2025 से उत्तर प्रदेश के ये तीनों ग्रामीण बैंक इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गए। उत्तर प्रदेश के इन तीनों ग्रामीण बैंकों को मिलाकर एक नया बैंक बना दिया गया है। उत्तर प्रदेश में बनाए गए नए बैंक का नाम उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक रखा गया है। अब उत्तर प्रदेश में ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था का भार उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के पास आ गया है।

उत्तर प्रदेश के तीन ग्रामीण बैंकों को मिलाकर उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक बनाया गया है। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की ग्रेटर नोएडा में स्थित विलासपुर शाखा के बैंक प्रबंधक बृजपाल सिंह ने चेतना मंच को बताया कि आज 1 मई 2025 ग्रामीण क्षेत्र के बैंकों के लिए एक अहम दिवस है। राष्ट्रीय बैंकों की तर्ज पर आज हमारे राज्य उत्तर प्रदेश के तीन बड़े ग्रामीण बैंक प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक, बड़ौदा यूपी बैंक व आर्यावर्त ग्रामीण बैंक का विलय किया जा रहा है इस विलय के बाद यह तीनों बैंक मिलकर उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के नाम से जाने जाएंगे। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक अपने आप में एक महत्वपूर्ण संस्था होगी यह देश का सबसे बड़ा ग्रामीण बैंक बन जाएगा जिसकी शाखाएं पूरे राज्य के ग्रामीण क्षेत्र, शहरी क्षेत्र व अर्ध शहरी क्षेत्र में उपलब्ध होगी। नया बैंक राज्य में ग्रामीण क्षेत्र के संपूर्ण विकास के लिए समर्पित होगा व आपकी हर क्षेत्र की आर्थिक आवश्यकता को पूर्ण करने में सक्षम होगा। जिसका मुख्यालय लखनऊ में स्थित होगा तथा पूरे राज्य भर में इसके क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित होंगे।

माता प्रसाद पांडे से मिले पार्टी कार्यकर्ता

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता विपक्ष और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता माता प्रसाद पांडे निजी कार्यक्रम के दौरान नोएडा पहुंचे जहां पर सपा महानगर संगठन के द्वारा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में उनके निवास स्थान शिव कला अपार्टमेंट सेक्टर-51 में उनका स्वागत अभिनंदन किया गया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलकर उनका हौसला बढ़ाया और उनकी समस्याएं जानी,जम्मू कश्मीर के पहलगाम

में हुए आतंकी हमले को लेकर माता प्रसाद पांडे ने केंद्र सरकार की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए,उन्होंने कहा कि यह हमला दुर्भाग्यपूर्ण है यह उस दावे की पोल खोलता है जिसमें कहा गया था कि कश्मीर से आतंकवाद खत्म हो चुका है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए सरकार से जल्द से जल्द आतंकियों को पकड़ने और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। कार्यक्रम का संचालन महानगर महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मौजूद मुख्य लोगों में महासचिव विकास यादव, मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव, मोहम्मद नौशाद, महकार तंवर, भी षम यादव, टीटू यादव, नीरज शर्मा, चिंटू त्यागी, सोनू त्यागी, शशि यादव,राणा मुखर्जी, मयंक कुमार लाल ,रोहित यादव ,सौरभ चौहान, रविन्द्र यादव, उदय सिंह, बाबूलाल बंसल ,वीरपाल प्रधान,बिल्लू खान सैफी ,गुलजार अल्वी, राम सहेली, शादाब खान, सतवीर यादव, प्रणब मोहला, रितेश, पायल ,अशोक, अरविंद ,चंदन, विश्वास, सिकंदर पासवान मुख्य रूप से मौजूद रहे।

भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भगवान परशुराम का प्रकटोत्सव जन्मदिन अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा की देखरेख में मनाया गया।

सर्वप्रथम हवन पूजन किया गया उसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया। क्षेत्र के सभी संभ्रांत लोग उपस्थित रहे मुख्य रूप से उमेश महामंत्री परमानंद शर्मा जिला महामंत्री मास्टर रामकुमार शर्मा नगर अध्यक्ष मांगेराम शर्मा जिला कार्यकारी अध्यक्ष उमेश शर्मा नगर कोषाध्यक्ष विजय शर्मा उमा शर्मा सभासद अक्षय शर्मा उपस्थित रहे इसके अलावा सभी पदाधिकारी नगर जिला वह प्रदेश के कार्यकर्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। वक्ताओं ने भगवान परशुराम के बारे में विस्तृत चर्चा की और उन्हें केवल ब्राह्मणों तक ही सीमित नहीं रखा बल्कि पूरा समाज भगवान विष्णु की सतह अवतार के रूप में मनाता रहा है। लगातार आसपास के गांव में भी भगवान परशुराम की जयंती धूमधाम से मनाई गई और प्रसाद वितरण किया गया।

रन फॉर नेशन के लिए किया जनसंपर्क

नोएडा (चेतना मंच)। 'वन नेशन-वन इलेक्शन' के तहत आगामी 4 मई को नोएडा स्टेडियम में सुबह 6 बजे होने वाले रन फॉर नेशन के लिए भाजपा नेता गोपाल गौड़ के साथ महाराणा प्रताप मंडल के कार्यकर्ताओं ने जनसंपर्क किया।

एसजीएस नोएडा में जाकर इस दौड़ में सम्मिलित होने का समस्त विद्यार्थी एवं शिक्षकों से आग्रह किया। साथ में मंडल उपाध्यक्ष परमिंदर बैरागी, प्रमोद शर्मा , ऋचा पांडे, साइमा चौधरी, सोनू कौशिक, विकाश कौशिक आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तिलहनी फसलों के अपनाने से प्रदेश के किसानों की आय में हो रही है बढ़ोत्तरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी लगातार किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। उसके लिए प्रदेश सरकार ने किसानों को तिलहन क्षेत्र का दायरा बढ़ाने, किसानों को अधिक उपज के बीज उपलब्ध कराने, समय से सिचाई करने एवं उर्वरक, कीटनाशक दवाओं के वितरण आदि की व्यवस्था की है। प्रदेश सरकार ने तिलहनी फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए किसानों को 6.79 लाख तिलहन मिनीकिट नि:शुल्क बीज भी वितरित किया है। तिलहनी फसलों की अधिक उपज के लिए किसानो को प्रशिक्षित भी किया गया है। खाद्य तेल एक ऐसा द्रव्य है जो गरीब की झोपड़ी से ले कर शहरों के बड़े अमीरो तक सब के रसोई का महत्वपूर्ण अंग है। बिना खाद्य तेलों के रसोई का व्यंजन अधूरा होता हैं। खाद्य तेलों में प्रमुखता मूगफली, सोयाबीन, तिल, अरण्डी, तोरिया, सरसों, सूरजमुखी, ताड़ नारियल, आदि हैं।

सरसों का तेल उत्तर प्रदेश के निवासियों के रसोई का एक महत्वपूर्ण अंग है। सरसों कृषि उपज की महत्वपूर्ण फसल है। रबी की फसल में इसका प्रमुख स्थान है। तिलहन का देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। कम लागत में और कम सिंचाई के कारण, सरसों की खेती, किसानों में बहुत लोकप्रिय हो रही है। रबी की अन्य फसलों की अपेक्षा सरसों की फसल अधिक आय देने वाली है। सरसों की खेती प्रदेश के किसान मिश्रित रूप से बहुफसली व सिंगल फसली कर रहे हैं। पीली सरसों, तोरिया की तरह कैचक्राप के रूप में खरीफ एवं

रबी के मध्य बोई जाती हैं। इसकी खेती करके किसान अतिरिक्त लाभअर्जित कर रहे है। उत्तर प्रदेश की मिट्टी तिलहनी फसलों के लिए उपयुक्त हैं। प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र में, परिचमी क्षेत्र, पूर्वांचल क्षेत्र व मध्य क्षेत्र की मिट्टी सरसों, तोरिया, तिल, मूंगफली, तिलहनी आदि फसलों के लिए अच्छी है। प्रदेश में खरीफ फसलों में मूंगफली, सोयाबीन, तिल,अरण्डी, तोरिया प्रमुख तिलहनी फसल है।

प्रदेश में सरसों की खेती रबी फसल के साथ बोई जाती है। उत्तर प्रदेश में सरसों की खेती में ब ?ोत्तरी हुई है। नकदी फसल होने के कारण किसानों के मध्य सरसों की खेती में रूचि बढ़ी है। प्रदेश में लाखों हेक्टेयर भूमि में सरसों की खेती हो रही है और किसानों की आमदनी में बढ़ोत्तरी हुई है। प्रदेश में तिलहन के अन्तर्गत वर्ष 2016-17 में 12.40 लाख मै0टन तिलहन का उत्पादन प्राप्त हुआ था जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में बढ़कर 28.33 लाख मै0टन हो गया है। इस प्रकार वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 15.93 लाख मै0टन अधिक तिलहन का उत्पादन प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार वर्ष 2016-17 में 9.35 कुन्टल प्रति तिलहन की उत्पादकता प्राप्त हुआ जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में बढ़कर 12.12 कुन्टल प्रति हेक्टेयर हो गया है। इस प्रकार वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 27.06 कुन्टल प्रति हेक्टेयर से अधिक तिलहन की उत्पादकता प्राप्त हुआ है। तिलहन उत्पाकदकता में अधिक उत्पादन होने पर राष्ट्रीय पुरस्कार के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2019-20 में सर्वाधिक तिलहन उत्पादन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर कृषि एवं किसान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उ0प्र0 को रू0 2.00 करोड़ का कृषि कर्मण पुरस्कार तथा देश में सर्वाधिक खाद्यान्न उत्पादन हेतु रू01.00 करोड़ का प्रोत्साहन पुरस्कार प्रधानमंत्री द्वारा प्रदान किया गया।

पृष्ठ एक के शेष....

पाक खिलाड़ी अरशद का ....

इस सप्ताह की शुरुआत में कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों को भी भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के विरुद्ध भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री, झूठे और भ्रामक कथन और गलत सूचना प्रसारित करने' के लिए भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया था।

चुनौतियां आएं तो....

सदस्य (उत्तर प्रदेश विधान परिषद) भूपेंद्र चौधरी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उनका स्वागत सत्कार किया गया।

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि चुनौतियों के प्रति उदासीनता उससे भागना कायरता की निशानी है और मुझे यह कहते हुए गर्व होता है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में कायरता का कोई भी अंश नहीं है। इसकी मेडिकल जांच की जरूरत भी नहीं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि कर्त्तव्य पथ पर चुनौतियां आएंगी। सबसे ज्यादा चुनौतियां अपनों से मिलती हैं जिनकी हम चर्चा भी नहीं करते। चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे पास एक बड़ी ताकत है हमारा दर्शन। जिसमें कहा गया है कि जब भी कोई संकट आए तो वेदों की तरफ ध्यान दें।

नेहा सिंह राठौर की ...

यह मामला ब्लॉक प्रमुख संघ के जिला अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह द्वारा उनके वरिष्ठ अधिवक्ता मार्तंड प्रताप सिंह के माध्यम से दाखिल किया गया है। इसमें नेहा सिंह राठौर पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिसमें उन पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और झूठे आरोप लगाने की बात कही गई है। आपको बता दें कि नेहा सिंह राठौर के खिलाफ अयोध्या की एसीजेएम/सिविल जज सीनियर डिवीजन-4 न्यायाधीश एकता सिंह की अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत के अनुसार, नेहा सिंह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि यह हमला जानबूझकर कराया गया ताकि बिहार विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी पार्टी को राजनीतिक लाभ मिल सके। इस पोस्ट में सीधे तौर पर प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और रक्षा मंत्री को इस हमले का साजिशकर्ता बताया गया, जो कि न केवल आधारहीन है, बल्कि देश की सुरक्षा व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं पर सीधा प्रहार भी माना जा रहा है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

भारत के रक्षा मंत्री से मिले नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. भट्टराई, पहलगाम आतंकी हमले को बताया निंदनीय

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और माओवादी के पूर्व नेता डॉ. बाबूराम भट्टराई ने सोमवार को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से नई दिल्ली में मुलाकात की। डॉ. भट्टराई ने कश्मीर के पहलगाम में नागरिकों पर हाल ही में हुए आतंकवादी हमले पर गहरा दुख व्यक्त किया और इस घटना की कड़ी निंदा की। दोनों नेताओं ने नेपाल-भारत संबंधों को और मजबूत करने और विकास और आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने को लेकर चर्चा की। डॉ. भट्टराई ने नेपाल के समग्र विकास में भारत के सहयोग की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के जन स्तर के संबंध को और अधिक मजबूत करने के लिए समान रूप से हमेशा प्रयास करने की आवश्यकता की है। डॉ. भट्टराई ने कश्मीर के पहलगाम में नागरिकों पर हाल ही में हुए आतंकवादी हमले पर गहरा दुख व्यक्त किया और इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने बताया कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की ओर से उठाए जाने वाले सभी कदमों का नेपाल पूरा समर्थन करता है। डॉ. भट्टराई वर्तमान में प्रगतिशील नेपाली समाज समिति, भारत के सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए भारत यात्रा पर हैं। दिल्ली में डॉ. भट्टराई ने नेपाल में भारत के चार पूर्व राजदूतों से भी सामूहिक मुलाकात की है। इस दौरान नेपाल में भारत के पूर्व राजदूत राकेश सूद, जयंत प्रसाद, रंजीत रे और मंजीव सिंह पूरी मौजूद रहे।

दक्षिणी ईरान के बंदरगाह पर विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हुई

तेहरान, एजेंसी। दक्षिणी ईरान के बंदर अब्बास के शाहिद राजाई बंदरगाह पर 26 अप्रैल को एक ईंधन टैंकर पर हुए शक्तिशाली विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई। संकट प्रबंधन विभाग के महानिदेशक मेहरदाद हसनजादेह ने इसकी पुष्टि की। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (इरना) ने मेहरदाद हसनजादेह के आज जारी बयान के हवाले से यह सूचना साझा की। हसनजादेह ने कहा कि विस्फोट के बाद लगी आग में झुलसे 1,072 लोगों को अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है। 138 लोग अभी भी अनेक अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से नौ को विशेष उपचार के लिए होर्मोजगन प्रांत के बाहर के अस्पतालों खतम अल-अनबिया, शाहिद मोहम्मदी, खालिज-ए फार्स, साहेब अल जमान और सेना के सैय्यद अल-शुहादा में स्थानांतरित किया गया है। ईरानी अधिकारियों ने विस्फोट के कारणों की जांच के लिए टीम बनाई है। इस विस्फोट ने बंदरगाह को तहस-नहस कर दिया है। लगभग 2,400 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले शहीद राजाई बंदरगाह की वार्षिक माल ढुलाई की क्षमता 70 मिलियन टन है। इस्लामी गणराज्य के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने शाहिद राजाई बंदरगाह पर हुए हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। खामेनेई ने सुरक्षा और न्यायिक अधिकारियों को जांच करने का काम सौंपा है।

रूस ने यूक्रेन में 8 से 10 मई तक युद्धविराम का किया ऐलान

मॉस्को,एजेंसी। रूस ने द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर विजय की वर्षगांठ पर यूक्रेन में 8 से 10 मई तक पूर्ण युद्धविराम की घोषणा की है। क्रेमलिन ने सोमवार को बताया कि यह युद्धविराम 08 मई की मध्यरात्रि से प्रभावी होगा और 10 मई तक जारी रहेगा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मानवीय आधार पर इस दौरान सभी सैन्य अभियानों को रोकने का आदेश दिया है। 09 मई को रूस में विजय दिवस बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, इसी को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। क्रेमलिन ने उम्मीद जताई है कि यूक्रेन भी इसी तरह का आदेश देगा। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन में शांति बहाली के प्रयासों को तेज कर रहे हैं। अब तक पुतिन ने बिना शर्त पूर्ण युद्धविराम से इनकार किया था और इसे पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को हथियार आपूर्ति बंद करने तथा यूक्रेन की सैन्य लामबंदी रुकने से जोड़कर देखा था। रूस ने चेतावनी भी दी है कि युद्धविराम के उल्लंघन पर सख्त प्रतिक्रिया दी जाएगी। साथ ही रूस ने शांति वार्ता के लिए शर्त भी रखी है। उसने कहा है कि वार्ता तभी संभव होगी, जब यूक्रेन रूस के कब्जाए क्षेत्रों को कानूनी मान्यता देगा।

मणिपुर के 21 विधायकों ने की गृहमंत्री अमित शाह से सरकार के गठन की मांग

-पत्र में लिखा- राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद भी राज्य में शांति नहीं

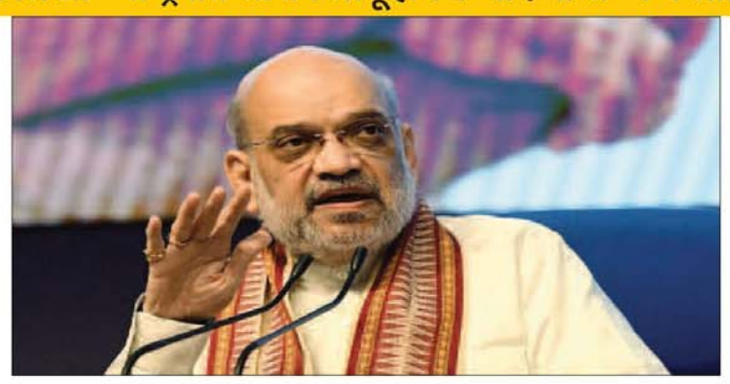

इंफाल(एजेंसी)। मणिपुर के 21 विधायकों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राज्य में सरकार बनाने की मांग की है। ये विधायक मणिपुर में शांति बहाली और सामान्य स्थिति की ओर कदम बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। पत्र में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद शांति नहीं हो पाई है, जिसके कारण लोग हिंसा फिर होने की आशंका जता रहे हैं।

गौरतलब है कि 13 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था। इसके बाद से मणिपुर की विधानसभा का कार्यकाल निलंबित कर दिया है और राज्य में शांति की बहाली के प्रयास किए जा रहे हैं। मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा की स्थिति ने राज्य को काफी प्रभावित किया है।

बता दें मई 2023 से जारी हिंसा में 250 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। सीएम एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था। पत्र में 21 विधायकों ने सरकार से अपील की है कि राष्ट्रपति शासन के बाद शांति और सामान्य स्थिति के लिए अब तक कोई स्पष्ट कदम नहीं उठाए गए हैं। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले विधायकों में बीजेपी के 13, एनपीपी के 3, नगा पीपुल्स फ्रंट के 3 विधायक और विधानसभा के 2 स्वतंत्र सदस्य शामिल हैं।

मणिपुर में अभी तक शांति और सामान्य स्थिति के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों में चिंता जताई जा रही है कि राज्य में फिर से हिंसा की स्थिति बन सकती है। कई नागरिक संगठन भी राष्ट्रपति शासन के खिलाफ सामने आकर सरकार बनाने की मांग कर रहे हैं। विधायकों का कहना है कि शांति के लिए सरकार का गठन अत्यंत जरूरी है। उनका मानना है कि राष्ट्रपति शासन के तहत स्थिति में सुधार नहीं हो पाया है और अब स्थायी सरकार ही राज्य में सामान्य स्थिति की बहाली कर सकती है।

यह पत्र गृह मंत्रालय को 29 अप्रैल यानी मंगलवार को मिला था और इसे आज सार्वजनिक किया गया। मणिपुर के इस संकटपूर्ण समय में इस पत्र को एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो राज्य की स्थिरता के लिए सरकार से तत्काल कार्रवाई की अपील करता है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने पाक को दी धमकी

जम्मू (एजेंसी)। कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने की धमकी दी है। इस गैंग की धमकी से जुड़ा सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो रहा है जिसमें गैंग ने लिखा है कि पहलगाम हमले में निर्दोष लोगों की हत्या का जवाब देने के लिए हम पाकिस्तान में घुसकर एक ऐसे आदमी को मारेंगे, जो एक लाख के बराबर होगा। पोस्ट में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद का फोटो भी लगा है और उस पर क्रॉस का चिह्न लगाया गया है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। भारत में कई आपराधिक वारदातों को अंजाम दे चुका लॉरेंस बिश्नोई गिरोह अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने गुनाहों की जिम्मेदारी लेता रहा है। हालांकि उसके इस पोस्ट में कितनी सच्चाई है और क्या इसे गैंग ने ही पोस्ट किया है, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है लेकिन यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। अक्सर लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर पाकिस्तानी गैंगस्टरों और डॉन से रिश्ते रखने के आरोप लगते रहे हैं। कई अपराधों में पुलिस लॉरेंस बिश्नोई के पाकिस्तान से रिश्तों की बात कहते हुए सबूत भी दे चुकी है लेकिन जेल से हुए लॉरेंस बिश्नोई के कथित इंटरव्यू में वह इस बात को नकार चुका है। लॉरेंस बिश्नोई ने खुद को देशभक्त कहते हुए बार-बार दावा किया था कि देश के दुश्मनों से उसके कोई रिश्ते नहीं हैं। इसके विपरीत पिछले साल लॉरेंस बिश्नोई का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी को ईद की बधाई दे रहा था। यही नहीं, गैंग के शूटरों को हथियारों की सप्लाई भी पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए होती है। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में पाकिस्तान से आए एके-47 राइफल के अलावा पॉइंट 30 बोर और नौ एमएम पिस्टल का इस्तेमाल हुआ था।

पंजाब ने घटाया हरियाणा को मिलने वाला पानी, गहराया जल संकट

-सीएम सैनी बोले- आश्वासन देकर पलट गए सीएम मान

चंडीगढ़(एजेंसी)। पंजाब सरकार ने भाखड़ा डैम से हरियाणा को दी जाने वाली पानी की आपूर्ति में कटौती कर दी। पहले जहां रोज 9,000 क्यूसेक पानी दिया जा रहा था, अब यह घटाकर केवल 4,000 क्यूसेक कर दिया है। इससे हरियाणा के करीब छह जिलों में जल संकट खड़ा हो गया है, जो आने वाले दिनों में और भी विकराल हो सकता है।

इस विवाद के बीच पंजाब के सीएम भगवंत मान ने को कहा कि राज्य के पास हरियाणा को देने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है। वहीं हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने बताया कि भगवंत मान ने उन्हें इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था। भाखड़ा-ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) की निगरानी में हर साल पंजाब सरकार हरियाणा और राजस्थान को पेयजल और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराती है। यह जल आवंटन 21 मई से अगले साल की 21 मई तक मान्य होता है। इस नहर के जरिए से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की लाखों एकड़ जमीन की सिंचाई होती है। यह पानी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पीने के लिए भी इस्तेमाल होता है, खासकर उन इलाकों में जहां भूजल की कमी है।

पंजाब का कहना है कि हरियाणा पहले ही मार्च में अपनी तय सीमा का पानी खर्च कर चुका है, क्योंकि उसका जल प्रबंधन सही नहीं था। इससे अब पंजाब ने हरियाणा को दिए जाने वाले पानी में 5,000 क्यूसेक की कटौती कर दी है। इसका असर हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, रोहतक और महेन्द्रगढ़ जैसे जिलों में दिखने लगा है। हालात यही रहे तो अन्य जिलों में भी पानी का संकट गहरा सकता है। मंगलवार को दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच इस मुद्दे पर बातचीत हुई। इसके बाद भगवंत मान ने वीडियो संदेश जारी करते हुए आरोप लगाया कि हरियाणा ने पानी का किफायती और समझदारी से इस्तेमाल नहीं किया, जिसकी वजह से वह मार्च में ही अपना कोटा खत्म कर बैठा। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद पंजाब मानवता के आधार पर 4,000 क्यूसेक पानी दे रहा है, जबकि नियमों के मुताबिक वह भी नहीं दिया जाना चाहिए।

भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत: गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आज मंगलवार को लंदन में भारत-यूके व्यापार गोलमेज बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत है। गोयल ने निवेश के नए अवसरों और इनोवेशन-आधारित विकास की संभावनाओं पर जोर दिया। इस बैठक में दोनों देशों के बड़े व्यापारिक नेताओं और सीईओ ने भाग लिया। पीयूष गोयल फिलहाल पांच दिवसीय विदेशी दौरे पर हैं। इस दौरान वे लंदन (यूके), ओस्लो (नॉर्वे) और ब्रुसेल्स (यूरोपीय संघ) की यात्रा कर रहे हैं। इस दौरे का उद्देश्य भारत के व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करना है।

गोयल ने लंदन यात्रा की शुरुआत में यूके के बिजनेस एंड ट्रेड सेक्रेटरी जे. रेनॉल्ड्स से मुलाकात की। उन्होंने इस बैठक को ÷उपयोगी÷ बताया और कहा कि यह भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह समझौता 26 अध्यायों में बंटा है, जिसमें वस्तुएं, सेवाएं, निवेश और बौद्धिक संपदा अधिकार शामिल हैं। भारत और यूके जल्द से जल्द इसे पूरा करना चाहते हैं, क्योंकि अमेरिका की ओर से टैरिफ बढ़ाए जाने के कारण वैश्विक व्यापार में चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

गोयल ने लंदन में डी बीयर्स ग्रुप के सीईओ एल कुक और उनकी टीम से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रत्न और आभूषण उद्योग में भारत की भूमिका, टिकाऊ प्रथाएं और विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने रेवोल्ट के चेयरपर्सन मार्टिन गिल्बर्ट से भी मुलाकात की और भारत के फिनटेक सेक्टर में वैश्विक साझेदारी की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के सहयोग से भारत में नवाचार और विकास को गति मिलेगी।

युद्ध की आहट के बीच, सामान्य नहीं है भागवत का पीएम मोदी से मिलना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते रोज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। करीब एक घंटे तक दोनों की बातचीत होने के बाद सवाल ये है कि क्या ये शिष्टाचार भेंट थी? बात क्या है ये तो कोई नहीं जानता पर, इतना जरुर माना जा रहा है कि पीएम मोदी और संघ प्रमुख भागवत की इस मुलाकात को सामान्य नहीं माना जा सकता है। वजह ये है कि संघ प्रमुख का राजनीतिक हस्तियों से मिलना बेहद असामान्य माना जाता है। संघ सूत्रों ने पुष्टि की है कि 2014 में पीएम मोदी के पदभार संभालने के बाद से यह पहली ऐसी मुलाकात थी। मुलाकात से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मोहन भागवत ने इस घटना पर संघ परिवार की गहरी पीड़ा और हिंदू समुदाय में बढ़ते गुस्से और असुरक्षा की भावना से अवगत कराया। उन्होंने आतंकी हमले का जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और सरकार के प्रयासों के प्रति संघ का समर्थन भी दिया। आरएसएस के एक सीनियर पदाधिकारी ने बताया, 'यह महज शिष्टाचार भेंट नहीं थी। जमीनी स्तर पर माहौल तनावपूर्ण है। हिंदू आहत और नाराज हैं। संघ का मानना ??है कि सरकार के साथ खड़ा होना जरूरी है, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जनभावनाओं को समझा जाए और जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जाए। यह इमरजेंसी का समय है और इसलिए भागवत जी ने खुद पीएम से मुलाकात की। मोहन भागवत की यह मुलाकात प्रतीकात्मक और रणनीतिक रूप से अहम तो है ही, लेकिन इससे जो संदेश जाता है, वह कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है। अपने विशाल जनाधार और वैचारिक प्रभाव के साथ संघ परिवार के पास जनमत बनाने और सरकार की आवश्यकतानुसार समर्थन जुटाने या उसे नियंत्रित करने की क्षमता है। सरकार इस ताकत से वाकिफ है। माना जा रहा है कि वह जनभावनाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा, दोनों को ध्यान में रखते हुए अपने अगले कदम सावधानी से उठा रही है। आरएसएस के एक अन्य सीनियर पदाधिकारी ने कहा, अगर सरकार को निर्णायक जवाबी कार्रवाई के पक्ष में स्पष्ट और मजबूत जनमत का आभास होता है, तो वह उस दिशा में तेजी से और रणनीतिक रूप से आगे बढ़ सकती है। जनमत यानी पब्लिक ओपिनियन महत्वपूर्ण है। बता दें कि यह मुलाकात पहलगाम में हुए आतंकी हमले के तुरंत बाद हुई है, जहां निहत्थे नागरिकों और पर्यटकों को निशाना बनाकर मार डाला गया था।

स्पेन और पुर्तगाल में भीषण बिजली संकट, परिवहन और संचार सेवाएं बाधित

मेड्रिड/लिस्बन,एजेंसी। स्पेन और पुर्तगाल में एक बड़े बिजली संकट ने लाखों लोगों को अंधेरे में डुबो दिया है। इस ब्लैकआउट ने न केवल बिजली आपूर्ति को ठप किया, बल्कि संचार नेटवर्क और परिवहन सेवाओं को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। स्पेन के ग्रिड ऑपरेटर रेड इलेक्ट्रिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पुष्टि की है कि आपातकालीन टीमें समस्या की जांच कर रही हैं और बिजली बहाल करने के लिए पूरी तरह जुटी हैं। रेड इलेक्ट्रिका ने बताया, ÷कारणों का विश्लेषण किया जा रहा है और सभी संसाधनों को समाधान में लगाया गया है। बिजली गुल होने से दूरसंचार नेटवर्क और परिवहन सेवाओं पर व्यापक असर पड़ा है। प्रमुख शहरों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मैड्रिड के बाराजास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे सहित कई अन्य हवाई अड्डों पर बिजली चली गई, जिससे विमानों की आवाजाही प्रभावित हुई। वहीं, मेट्रो सेवाएं भी बाधित रहीं और यात्री सुरंगों में फंसे रहे। इस संकट का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, हालांकि कुछ स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि यूरोपीय विद्युत ग्रिड में आई समस्या ने इबेरियाई प्रायद्वीप के राष्ट्रीय ग्रिड को प्रभावित किया हो सकता है। इसके अतिरिक्त, फ्रांस के दक्षिण-पश्चिम में अलारिक पर्वत पर लगी आग से पर्पिन्यां और पूर्वी नारबोनी को जोड़ने वाली एक उच्च वोल्टेज पावर लाइन को नुकसान पहुंचा है, जिसे संभावित कारणों में से एक माना जा रहा है। अंडोरा और फ्रांस के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी बिजली संकट का असर पड़ा है। साथ ही बेल्जियम से भी कुछ क्षेत्रों में बिजली गुल की खबरें सामने आई रही हैं। स्पेन की प्रमुख बिजली कंपनियां एंडेसा और इबेरड्रोला तथा पुर्तगाल की राष्ट्रीय विद्युत कंपनी आरईएन इस घटना की जांच कर रही हैं। स्पेन सरकार ने मोनक्लोआ में आपात बैठक बुलाई है और नागरिकों से अपील की है कि अनावश्यक रूप से 112 आपातकालीन नंबर पर कॉल न करें ताकि जरूरी सेवाएं प्रभावित न हों।

कनाडा के संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी सबसे आगे, बहुमत से दूर

ओटावा ,एजेंसी। कनाडा में सोमवार को हुए संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी फिलहाल सबसे आगे पर बहुमत से दूर है। यह पियरे पोइलिव्रे की कंजर्वेटिव पार्टी के लिए तगड़ा झटका है। कनाडा के सीटीवी न्यूज के अनुसार, लिबरल पार्टी ने चुनाव जीत लिया है। वह संख्या के लिहाज से सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है पर बहुमत मिलता नहीं दिख रहा। लिबरल पार्टी के उम्मीदवार 156 जिलों और कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार 145 जिलों में आगे चल रहे हैं। हाउस ऑफ कॉमंस में 343 सीटें हैं। बहुमत की सरकार बनाने के लिए 172 सीटों की जरूरत है। सीटीवी न्यूज के अनुसार, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने संसदीय चुनाव में सत्ता बरकरार रखी। अभी ब्रिटिश कोलंबिया के सबसे पश्चिमी प्रांत के नतीजे आने बाकी हैं। लिबरल पार्टी को यहां अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। एंगस रीड इंस्टीट्यूट (पोलिंग फर्म) के अध्यक्ष शाची कुर्ल के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ का कड़ा जवाब देना कार्नी के लिए चुनाव में फायदेमंद रहा। कार्नी ने टैरिफ को लेकर वाशिंगटन के साथ सख्त रुख

अपनाने का वादा करते हुए कहा था कि कनाडा को अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए अरबों खर्च करने होंगे। कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प ने लिबरल पार्टी की जीत का अनुमान लगाया था। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि वे कनाडा में निर्मित कारों पर 25 प्रतिशत टैरिफ बढ़ा सकते हैं। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वे कनाडा को 51वां राज्य बनाने के लिए आर्थिक बल का उपयोग कर सकते हैं। कनाडा में चुनाव के वक्त भी सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने कनाडा को 51वां राज्य बनाने के अपने आह्वान को दोहराया। सीटीवी न्यूज का कहना है कि कनाडा की दो छोटी पार्टियां न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी और ब्लॉक क्यूबेकॉइस सरकार बनाने पर लिबरल पार्टी का साथ दे सकती हैं।

नुश्की में ऑयल टैंकर में लगी भीषण आग, चालक की मौत, 40 से अधिक घायल

नुश्की ,एजेंसी। बलूचिस्तान के नुश्की जिले में सोमवार की रात एक ऑयल टैंकर में भीषण आग लगने के बाद हुए विस्फोट में चालक की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग झुलसने से घायल हो गए। इस घटना की पुष्टि नुश्की के डिप्टी कमिश्नर अमजद हुसैन ने की है। डिप्टी कमिश्नर के अनुसार, हादसे में गंभीर रूप से घायल 26 व्यक्तियों को बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती द्वारा उपलब्ध कराई गई एयर एंबुलेंस के जरिये क्वेटा स्थानांतरित किया गया है। पुलिस के मुताबिक, एक डिपो में खड़े तेल भरे टैंकर पर वेल्डिंग का काम चल रहा था, तभी अचानक उसमें आग लग गई। संभावित बड़े हादसे को टालने के प्रयास में टैंकर चालक जलते वाहन को टर्मिनल से बाहर खुले मैदान में ले गया, लेकिन वह खुद आग की चपेट में आ गया। चालक की मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और टैंकर में जोरदार विस्फोट हो गया, जिससे 40 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में एक डीएसपी और तीन अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जो नागरिकों को घटनास्थल से हटाने के प्रयास में लगे थे। घटना में एक फायर ब्रिगेड वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि नुश्की में इस दर्दनाक हादसे में 30 से अधिक लोगों को गंभीर रूप से जलने की चोटें आई हैं। घायलों के इलाज के लिए क्वेटा के अस्पतालों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि इस दुखद घटना में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

मुम्बई और राजस्थान का मुकाबला आज

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम गुरुवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। पिछ्ल मैच में वैभव सूर्यवंशी की रिकार्ड पारी से गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत दर्ज करने से टीम के हौंसले बुलंद हैं। वैभव ने गुजरात के खिलाफ शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। राजस्थान की टीम अब इस मैच में भी वैभव से ऐसी ही पारी की उम्मीद कर रही है।

कप्तान संजू सैमसन के फिट नहीं होने के कारण वैभव ने इस सत्र में पदार्पण करते हुए अब तक कमाल की बल्लेबाजी की है। इस मैच में भी सैमसन का खेलना तय नहीं है। ऐसे में वैभव और यशस्वी जायसवाल के ही पारी शुरु करने की संभावना है। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 166 रन की साझेदारी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस मैच में देखना होगा कि वैभव मुम्बई के खिलाफ मैच में जसप्रीत बुमराह का मुकाबला किस तरह से करते हैं। इस मैच में राजस्थान की ओर से खेल रहे वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर को भी रन बनाने होंगे। हेटमायर अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। राजस्थान की गेंदबाजी इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर पर आधारित रहेगी। वहीं संदीप शर्मा अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं।

वहीं दूसरी और मुम्बई इंडियंस ने इस सत्र में खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की है। उसने पिछले मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स को हराया था। बुमराह के टीम से जुड़ने के बाद से ही टीम को लाभ हुआ है। उसके बल्लेबाज रोहित शर्मा भी फार्म में आ गये हैं। ऐसे में रॉयल्स के गेंदबाजों की राह आसान नहीं है। उसने अब तक पांच मैच जीत लिए हैं और उसके विजय अभियान को रोकना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। मुम्बई के पास सूर्यकुमार जैसा टी20 का नंबर एक बल्लेबाज है। जिनपर अंकुश लगाना रॉयल्स के गेंदबाजों के लिए बेहद कठिन है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। अंक तालिका की बात करें तो मुम्बई दूसरे नंबर पर है। वहीं राजस्थान की टीम काफी नीचे आठवें नंबर पर है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

राजस्थान रॉयल्स – संजू सैमसन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल, कुणाल सिंह राठौड़, रियान पराग, युद्धवीर सिंह चरक, नितीश राणा, संदीप शर्मा, तुषार देशपांडे, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, क्वेना मफाका, वानिंदु हसरंगा, महेश थीक्षाना, फजलहक फारूकी, अशोक शर्मा, जोफ्रा आर्चर।

मुंबई इंडियंस – हार्दिक पंड्या (कप्तान) सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, बेवॉन जैकब्स, रयान रिकेल्टन, रॉबिन मिंज, कृष्णन श्रीजीत, , नमन धीर, राज बावा, विग्नेश पुथुर, विल जैक्स, मिशेल सेंटनर, जसप्रीत बुमराह, अर्जुन तेंदुलकर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, लिज़ाद विलियम्स, कर्ण शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, सत्यनारायण राजू, मुजीब उर रहमान।

प्रतिका रावल ने रचा नया इतिहास, वनडे क्रिकेट में लगातार पांचवां अर्धशतक जमाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृखला में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज प्रतिका रावल ने अपने धमाकेदार प्रदर्शन से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने वनडे क्रिकेट में लगातार पांचवीं बार अर्धशतक लगाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ वह वनडे क्रिकेट में लगातार पांच बार अर्धशतक जड़ने वाली दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं।

इसके अलावा प्रतिका ने अपने वनडे करियर के महज आठवीं पारी में 500 रन पूरे करके एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह सबसे तेज 500 रन बनाने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं। त्रिकोणीय श्रृखला के दूसरे मैच में प्रतिका ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 91 गेंदों में 78 रनों की पारी खेली जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने इस पारी के दौरान हरलीन देओल के साथ दूसरे विकेट के लिए 68 रनों की अहम साझेदारी भी की। इससे पहले वह स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़ चुकी थीं। मंधाना 36 रन बनाकर आउट हो गईं। लेकिन प्रतिका ने पारी को आगे बढ़ाते हुए न केवल अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया बल्कि एक और अर्धशतक जड़कर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा दिया। इस त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच में भी उन्होंने 62 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए थे और प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गई थीं।

इससे पहले आयरलैंड के खिलाफ राजकोट में हुई घरेलू सीरीज में भी प्रतिका का बल्ला खूब बोला था। उन्होंने उस सीरीज में क्रमश- 89, 67 और 154 रन की पारियां खेली थीं। 15 जनवरी 2025 को खेले गए मैच में प्रतिका ने 154 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी, जिसने उन्हें अचानक सुर्खियों में ला दिया था। प्रतिका रावल की इस निरंतरता और फॉर्म को देखकर क्रिकेट जानकारों का मानना है कि वह आने वाले समय में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की रीढ़ बन सकती हैं। जब सबकी निगाहें मंधाना, शेफाली, हरमनप्रीत और जेमिमा पर होती हैं, ऐसे में प्रतिका अपनी प्रतिभा से एक अलग पहचान बना रही हैं। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वह त्रिकोणीय सीरीज में भारत को खिताबी जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

सूर्यवंशी पर लगातार फोकस गैर जरूरी, लेकिन क्या कर सकते हैं : द्रविड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। चौदह वर्ष के वैभव सूर्यवंशी पर जरूरत से ज्यादा फोकस राहुल द्रविड़ नहीं चाहते लेकिन राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच को बखूबी पता है कि इसे रोकना उनके बस में नहीं है। सूर्यवंशी पर सवालों की बौछार से साबित हो गया कि क्रिकेट जगत कुछ समय तक इस प्रतिभाशाली क्रिकेटर को अकेले नहीं छोड़ने वाला। उन्होंने कहा कि बिहार के इस युवा खिलाड़ी को रातोंरात मिली स्टारडम से निपटने का तरीका खुद तलाशना होगा।

भारत के पूर्व मुख्य कोच द्रविड़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि अभी कुछ समय उस पर ऐसे ही फोकस रहेगा। लोग उसके बारे में बात कर रहे हैं जिसे मैं रोक नहीं सकता। मैं यहां बातचीत के लिए आया हूं और मुझसे सिर्फ वैभव के बारे में सवाल पूछे जा रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'उसके लिए यह चुनौतीपूर्ण होगा लेकिन रोमांचक भी। मैं कहना चाहता हूं कि इतना ज्यादा फोकस उस पर नहीं करें लेकिन मुझे पता है कि ऐसा होगा नहीं।' उन्होंने कहा, 'हमें पता है कि ऐसा होगा और इसलिए इससे निपटने में उसकी मदद कर रहे हैं। भारत में क्रिकेटर होने का यह हिस्सा है। इससे बच नहीं सकते।'

ऋषभ पंत, शुभमन गिल, पृथ्वी साव, यशस्वी जायसवाल जैसे कई युवा खिलाड़ी तैयार कर चुके भारत के पूर्व अंडर 19 कोच ने बताया कि सूर्यवंशी क्यों खास है। उन्होंने कहा, 'इस तरह निर्भीक होकर खेलना और हालात का दबाव नहीं लेना खास है। इतनी कम उम्र में ऐसा देखने को नहीं मिलता। उसके पास इतने बेहतरीन शॉट्स भी हैं। वह अभी और निखरेगा। अब टीमें उसके खिलाफ तैयारी के साथ उतरेंगी।'

बातचीत के दौरान सूर्यवंशी की एक वीडियो क्लिप भी दिखाई गई जिसमें उसने द्रविड़ की तारीफ की है लेकिन द्रविड़ ने उसकी कामयाबी का श्रेय लेने से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'सबसे ज्यादा श्रेय उसी को जाता है। मेरा श्रेय लेना गलत होगा। उसके पिता ने काफी सहयोग किया और राजस्थान रॉयल्स में कई लोग उसके साथ है।'

विराट कोहली को 'दोस्त' नहीं मानता आरसीबी का यह दिग्गज, कही चौकाने वाली बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी ओपनर फिल सॉल्ट ने विराट कोहली से दोस्ती की खबरें नकार दी हैं। हाल ही में सॉल्ट आरसीबी के मिस्टर नैग्स शो में पहुंचे थे। साल्ट ने पहले कहा कि वह ÷सिर्फ सहकर्मी÷ हैं, लेकिन फिर उन्होंने पूर्व आरसीबी कप्तान पर अपना रुख बदल दिया। मेगा नीलामी में 11.5 करोड़ रुपए में खरीदे गए साल्ट ने इस सीजन में 168.30 की स्ट्राइक रेट से 9 पारियों में 239 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। आरसीबी भी अंक तालिका में टॉप पर है क्योंकि उन्होंने घर से बाहर अपने 7 में से 6 मैच जीते हैं। बता दें कि दिल्ली के खिलाफ मुकाबले में जब सॉल्ट और कोहली ओपनिंग कर रहे थे तब अच्छे टच में होने के बावजूद सॉल्ट कोहली की एक गलत कॉल के कारण रन आऊट हो गए थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर विराट खूब ट्रोल हुए थे।

बहरहाल, आरसीबी ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट की है जिसमें फिल साल्ट ने विराट कोहली के साथ अपने रिश्ते के बारे में अपनी मजेदार प्रतिक्रिया से लोगों का मनोरंजन किया। उन्होंने मुस्कुराते हुए स्पष्ट किया कि वे जिसके साथ भी क्रिकेट खेलते हैं, वे सभी उनके दोस्त हैं। होस्ट ने पहले पूछा कि आपने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि आईपीएल में कोई दोस्त नहीं है। तो, जब आप विराट के साथ खेलते हैं, तो क्या आप उनके दोस्त होते हैं या नहीं? इस पर सॉल्ट ने कहा कि नहीं, वह मेरे सहकर्मी हैं। जब उनसे दोबारा यह सवाल पूछा गया, तो सॉल्ट ने होस्ट से कहा कि मैंने जिनके साथ क्रिकेट खेला है, वे सभी मेरे दोस्त हैं। मैं आपको इस इंटरव्यू में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं देना चाहता था।

विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल 2025 की अंक तालिका में शीर्ष स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भले ही उनका स्ट्राइक रेट सर्वश्रेष्ठ न हो, लेकिन निरंतर रन बनाना टीम की जीत के लिए निर्णायक रहा है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 10 पारियों में 63.28 की औसत और 138.87 की स्ट्राइक रेट के साथ 443 रन बनाए हैं। वह गुजरात टाइटन्स के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (9 मैचों में 456 रन) के बाद टूर्नामेंट के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। कोहली ने 6 अर्धशतक लगाए, जिनमें 4 सफल रन चेज में आए। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 163 रनों का पीछा करते हुए आरसीबी 26/3 पर संकट में थी, लेकिन कोहली की 47 गेंदों में 51 रनों की शानदार पारी ने टीम को जीत दिलाई।

पूर्व मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने आयु धोखाधड़ी पर जताई चिंता, सूर्यवंशी की उम्र पर सवाल के बाद आई प्रतिक्रिया

नई दिल्ली : पूर्व भारतीय मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सवाल उठाया कि क्या आयु धोखाधड़ी अब क्रिकेट में भी घर कर गई है। आयु धोखाधड़ी, या खिलाड़ी की आयु को गलत तरीके से पेश करने की प्रथा भारतीय खेलों में एक बड़ी समस्या है, खासकर जूनियर और आयु-समूह स्तर पर। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने इस मुद्दे को हल करने के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रियाओं सहित कई कदम उठाए हैं। ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता विजेंदर सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, 'भाई आज कल उमर छोटी केरके क्रिकेट में भी खेलने लगे हैं।' विजेंदर सिंह की यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की आयु पर सवाल उठाए जाने के बाद आई है, जो इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। अपना तीसरा आईपीएल मैच खेल रहे 14 वर्षीय सूर्यवंशी ने सोमवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक जड़कर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। किशोर बल्लेबाज ने 35 गेंदों में शतक जड़कर इतिहास रच दिया, जो आईपीएल में किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सबसे तेज और अब तक का दूसरा सबसे तेज शतक है।

केकेआर के प्लेऑफ की संभावनाएं बनाने रखने जीतने होंगे सभी मैच

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली जीत के साथ ही कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की प्लेऑफ में पहुंचने की हल्की सी संभावना बनती दिख रही है। केकेआर ने इस सत्र में चौथी जीत हासिल की है और उसके 10 मैचों में 4 जीत के साथ ही 9 अंकों हो गए क्योंकि एक मैच पूरा नहीं हो पाया था। केकेआर अभी अंक तालिका में सातवें नंबर पर है। केकेआर के लिए अपनी बल पर सीधे प्लेऑफ में जगह बनाना संभव नहीं है इसके लिए उसे अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा। केकेआर को अभी चार लीग मैच खेलने हैं और अगर वह सभी में जीतती है तो 17 अंकों तक पहुंच सकती है। वहीं अगर टीम 1 मैच हारती है तो उसके 15 अंक होंगे और वह बाहर हो जाएगा। उसे प्लेऑफ के लिए जीत के साथ ही बेहतर रन रेट भी रखना होगा। आईपीएल के इस सत्र में केकेआर 4 मई को राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी. इसके बाद 7 मई को चेन्नई सुपर किंग्स फिर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। केकेआर का अंतिम लीग मैच 17 मई को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से होगा। इस समय अंक तालिका में आरसीबी शीर्ष पर है। उसने में 7 जीत के साथ ही 14 अंक हासिल किए हैं।

पहली गेंद पर छक्का लगाना बताया सामान्य बात : वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान में जब 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी बल्लेबाज़ी करने उतरे, तो किसी ने नहीं सोचा था कि वो इतने कम उम्र में इतिहास रच देंगे। लेकिन उन्होंने सिर्फ 38 गेंदों में 11 छक्कों और सात चौकों की मदद से 101 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर आईपीएल में अब तक का सबसे युवा शतकवीर बनने का कीर्तिमान हासिल कर लिया। यह उनका आईपीएल में महज तीसरा मैच था, जिसमें उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलते हुए ये कारनामा किया। वैभव इससे पहले लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में भी पहली गेंद पर छक्का लगाकर सबका ध्यान खींच चुके थे। वैभव कहते हैं पहली गेंद पर छक्का लगाना उनके लिए नई बात नहीं है। मैं अंडर-19 और घरेलू मैचों में भी ऐसा कर चुका हूं। अगर गेंद मेरी रेंज में होती है तो मैं उसे मारने से नहीं चूकता। मुझ पर कोई दबाव नहीं था। मैंने बस अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया। बिहार के समस्तीपुर जिले से आने वाले वैभव का जन्म आईपीएल शुरू होने के तीन साल बाद हुआ था। इतनी कम उम्र में उन्होंने जो मुकाम हासिल किया है, उसके पीछे उनके माता-पिता का बहुत बड़ा योगदान है। वैभव ने बताया कि उनकी मां आरती रात को 11 बजे सोने के बाद सुबह तीन बजे उठती हैं ताकि उनके अभ्यास में कोई कमी न रहे। वहीं उनके पिता संजीव ने बेटे के क्रिकेट करियर को सपोर्ट करने के लिए अपनी नौकरी तक छोड़ दी। वैभव ने कहा, मेरे पापा ने सब कुछ छोड़ दिया, मेरा भाई अब काम करता है और किसी तरह घर चलता है। लेकिन मेरे माता-पिता ने कभी हार नहीं मानी। इतनी कम उम्र में मिली कामयाबी के बावजूद वैभव का ध्यान सिर्फ अपने खेल पर है। उनका कहना है कि वह भारत के लिए लंबे समय तक खेलना चाहते हैं और इसके लिए वह लगातार मेहनत करते रहेंगे।

बांग्लादेश पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा, पीसीबी ने जारी किया पूरा शेड्यूल

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की है कि बांग्लादेश मई में पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा। यह सीरीज 25 मई से 3 जून तक फैसलाबाद और लाहौर में खेली जाएगी। शुरुआत में फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफटीपी) के तहत तीन वनडे और तीन टी20 सीरीज के रूप में निर्धारित इस दौरे को संशोधित कर पांच टी20 मैच शामिल किए गए हैं।

पीसीबी ने एक बयान में कहा, 'यह सीरीज, जो फ्यूचर टूर प्रोग्राम का हिस्सा है, में मूल रूप से तीन वनडे और तीन टी20 मैच शामिल थे। हालांकि अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के साथ, दोनों बोर्ड ने वनडे की जगह दो अतिरिक्त टी20 मैच कराने पर आपसी सहमति जताई है।' इकबाल स्टेडियम, जिसने 1978 से 2008 के बीच 24 टेस्ट और 16 वनडे मैचों की मेजबानी की है, 17 साल के अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का स्वागत करेगा। इस ऐतिहासिक स्थल पर आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच अप्रैल 2008 में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच वनडे मैच था।

पिछले साल सितंबर में चैंपियंस वन-डे कप और पिछले महीने नेशनल टी20 कप की सफलतापूर्वक मेजबानी करने वाले इस स्टेडियम में क्रमशः 25 और 27 मई को होने वाले सीरीज के पहले दो टी20 मैच खेले जाएंगे। लाहौर का गद्दाफी स्टेडियम 30 मई, 1 और 3 जून को होने वाले शेष तीन टी20 मैचों की मेजबानी करेगा। बांग्लादेश की टीम 21 मई को पहुंचेगी और 22 से 24 मई तक इकबाल स्टेडियम में प्रशिक्षण सत्र में भाग लेगी।

पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश सीरीज का कार्यक्रम

25 मई - पहला टी20 : इकबाल स्टेडियम, फैसलाबाद

27 मई - दूसरा टी20: इकबाल स्टेडियम, फैसलाबाद

30 मई - तीसरा टी20 : गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर

एक जून - चौथा टी20 : गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर

3 जून - पांचवां टी20 : गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर

कुलदीप ने रिंकू को मारे थप्पड़

नई दिल्ली। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मैच के बाद एक ऐसी घटना हुई जिससे सभी हैरान रह गये। इस मैच में कैपिटल्स को मिली हार के बाद टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने केकेआर के क्रिकेटर रिंकू सिंह का कई थप्पड़ मार दिये। इस मैच में दिल्ली की टीम 205 रनों का लक्ष्य हासिल करने में असफल रही थी। मैच के बाद कुलदीप ने हंसी मजाक में रिंकू को थप्पड़ मार दिये। रिंकू इससे नाराज दिखे और कुछ बोलते नजर आये। मैच समाप्त होने के बाद सभी खिलाड़ी एक साथ मिलकर बातचीत कर रहे थे तभी ऐसा हुआ। इस दौरान कुलदीप और रिंकू साथ ही में थे और दोनों बातें भी कर रहे थे पर कुलदीप ने अचानक ही रिंकू को थप्पड़ मार दिये। कुलदीप और मारते इससे पहले ही रिंकू ने अपना चेहरा पीछे कर लिया। वहीं दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने टीम को मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा, फ़ मुझे लगता है कि विकेट अच्छा था पर हमने पावरप्ले में 15 से 20 रन ज्यादा दे दिए। हमने कुछ विकेट भी आसानी से खो दिए। ल्लेबाजी की बात करें तो भले ही कुछ बल्लेबाज विफल रहे पर 2 से तीन बल्लेबाजों ने अच्छा खेला। फ़ गौरतब है कि इससे पहले भी आईपीएल में एक बार थप्पड़ मारने का मामला सामने आया था। तब हरभजन सिंह ने

गाबा पर संन्यास का फैसला इसलिए लिया क्योंकि... : अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। –भारत के पूर्व आफ स्पिनर आर अश्विन ने अपने सौवें टेस्ट के बाद संन्यास लेने का सोचा था लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में यह फैसला इसलिए लिया ताकि अंतिम एकादश में उनकी जगह को लेकर 'पूरा सर्कल' फिर से नहीं दोहराया जाए। चेन्नई सुपर किंग्स के नए पॉडकास्ट में अश्विन ने चेन्नई टीम के साथी खिलाड़ी माइक हस्सी से कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में टीम में जगह नहीं मिलने के बाद संन्यास का फैसला कर लिया था। उस मैच में अश्विन की जगह वॉशिंगटन सुंदर को खेलने का मौका मिला।

अश्विन ने एडीलेड में दूसरा टेस्ट खेला लेकिन गाबा पर तीसरे टेस्ट में उन्हें मौका नहीं दिया गया जिसके बाद उन्होंने संन्यास का ऐलान किया। अश्विन ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं अपने सौवें टेस्ट (मार्च 2024 में धर्मशाला में) के बाद संन्यास लेना चाहता था। फिर मैंने सोचा कि घरेलू सत्र में एक मौका और लेते हैं क्योंकि मैं अच्छा खेल रहा था, विकेट ले रहा था, रन बना रहा था।'

उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा कि चेन्नई टेस्ट (बांग्लादेश के खिलाफ) के बाद संन्यास लूंगा लेकिन फिर मैंने छह विकेट लिए और शतक बनाया। अच्छा प्रदर्शन करते हुए छोड़ना बहुत मुश्किल होता है।' अश्विन ने कहा, 'मैं फिर खेलता गया और फिर हम न्यूजीलैंड से हार गए। फिर मैंने सोचा कि चलो आस्ट्रेलिया दौरे पर देखते हैं कि प्रदर्शन कैसा रहता है। पिछली बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा था।'

भारत के लिए 537 टेस्ट विकेट लेने वाले अश्विन ने कहा, 'मैं खेल का मजा ले रहा था लेकिन इसके लिये शारीरिक और मानसिक तौर पर काफी मेहनत कर रहा था। सबसे अहम बात थी कि मैं परिवार के साथ समय बिताना चाहता था।' उन्होंने कहा, 'फिर जब पर्थ टेस्ट में जगह नहीं मिली तो मैंने सोचा कि यह पूरा सर्कल फिर नहीं दोहराना है। लोगों की नजर में आपके जज्बात की बहुत कम कीमत होती है। वे नहीं समझते कि आप किन भावनाओं से गुजर रहे हैं। मैं संन्यास के बारे में सोच ही रहा था और फिर मुझे लगा कि यह सही समय है।'

मैरी कॉम ने लिया तलाक, बयान जारी, नाजायज रिश्ते पर भी तोड़ी चुप्पी

खेल डैस्क –भारतीय ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम ने अपने वकील के माध्यम से एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की कि उन्होंने और उनके पति करुंग ओन्खोलर ने 20 दिसंबर 2023 को आपसी सहमति से तलाक ले लिया है। यह घोषणा सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर चल रही अफवाहों और अटकलों के बीच आई, जिसमें मैरी कॉम का नाम उनके व्यापारिक सहयोगी हितेश चौधरी और अन्य व्यक्तियों के साथ जोड़ा जा रहा था। मैरी ने इन सभी दावों का स्पष्ट रूप से खंडन किया और कहा कि उनका और ओन्खोलर का अलगाव दो साल पहले शुरू हुआ था और यह पूरी तरह आपसी सहमति पर आधारित था।

मैरी कॉम का आधिकारिक बयान- मैरी कॉम के वकील द्वारा जारी बयान में कहा गया, फ़गलत मीडिया रिपोर्टों और अफवाहों को देखते हुए, मैं निम्नलिखित स्पष्टीकरण जारी कर रही हूं- सुश्री एम.सी. मैरी कॉम और श्री करुंग ओन्खोलर अब विवाहित नहीं हैं। दोनों ने 20 दिसंबर 2023 को कोम कस्टमरी लॉ के तहत, दोनों परिवारों और कबीले के नेताओं की उपस्थिति में आपसी सहमति से तलाक को अंतिम रूप दिया।' बयान में आगे कहा गया,' श्री हितेश चौधरी या किसी अन्य मुक्केबाज के पति के साथ मैरी कॉम के किसी भी तरह के विवाहेतर संबंध की अफवाहों का स्पष्ट खंडन किया जाता है। मीडिया से अनुरोध है कि ऐसी निराधार अटकलों को बढ़ावा न दिया जाए।' मैरी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बयान को साझा करते हुए उन सभी अफवाहों को खारिज किया, जिनमें उनके निजी जीवन को लेकर गलत दावे किए जा रहे थे। उन्होंने मीडिया से उनके निजी जीवन में दखल न देने और ऐसी अटकलों को प्रकाशित करने से बचने की अपील की।

ऐसा थोड़ी होता है.. रोहित शर्मा को है इस शब्द से आपत्ति, की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने प्रशंसकों द्वारा 'मुंबई चा राजा÷ कहे जाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी इसकी कल्पना नहीं की थी और पूरे करियर में मिले प्यार के लिए प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त किया। रोहित ने भारत के लिए तीनों प्रारूपों में टीम का नेतृत्व किया है और वनडे और टी20 में आईसीसी ट्रॉफी जीती है। सलामी बल्लेबाज के रूप में वह एक दशक से भारतीय टीम की रीढ़ हैं और उनके आंकड़े उन्हें खेल का दिग्गज बनाते हैं। दुनिया भर में रोहित के खूब प्रशंसक हैं। खासतौर भारत में उनके बहुत दीवाने हैं। आम तौर पर मुंबई के मैदानों पर दर्शक 'रोहित-रोहित' के अलावा 'मुंबई चा राजा' जैसे नारे लगाते दिख जाते हैं।

रोहित शर्मा ने एक यूट्यूब चैनल पर प्रशंसकों के प्यार को लेकर अपनी भावनाएं साझा कीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी 'मुंबई चा राजा' कहलाने की कल्पना की थी, तो रोहित ने कहा कि यह उनके लिए अविश्वसनीय है। उन्होंने बताया कि एक युवा क्रिकेटर के रूप में, जो रणजी ट्रॉफी में जगह बनाने की कोशिश कर रहा था, उन्होंने कभी ऐसा नहीं सोचा था। रोहित ने कहा कि लोगों का प्यार अनमोल है और मैं इसे हल्के में नहीं लेता। मैं इसकी बहुत कद्र करता हूं। कौन ऐसा सोचता है? ऐसा सोचने वाला पागल होगा। मैं 16 साल का था, क्रिकेट खेल रहा था, रणजी टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहा था। यह कभी नहीं सोचा कि लोग मुझे मुंबई का राजा कहेंगे। ऐसा नहीं होता। रोहित जोकि अपना 38वां जन्मदिन मना रहे हैं, मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हैं। ओपनिंग बल्लेबाज लीग में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। रोहित ने चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैचों में लगातार 2 अर्धशतक लगाए। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने सिर्फ 12 रन बनाए थे। उनसे आगामी मैचों में फिर से रनों की उम्मीद होगी।

खास तरीके से डिजाइन... समुद्री जहाज पर उतर जाते हैं तेज तर्रार राफेल-एम फाइटर

पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्ते और ज्यादा बिगड़ चुके हैं। यही वजह है कि भारत रक्षा के क्षेत्र में खुद को और मजबूत बनाने में लगा हुआ है। इसी क्रम में हाल में भारत और फ्रांस के बीच एक ऐतिहासिक राफेल डील साइन हो चुकी है। समझौते के तहत भारत, फ्रांस से 26 राफेल विमान की खरीदी करेगा। इसमें 22 सिंगल सीटर विमान और चार डबल सीटर विमान शामिल हैं। इस डील की कीमत करीब 63,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसी कड़ी में आज हम आपको राफेल के बारे में कुछ दिलचस्प बात बताने जा रहे हैं।

माइक्रोवेव लैंडिंग सिस्टम से मदद

खास डिजाइन किया गया है राफेल-एम

राफेल एम फाइटर जेट को कुछ इस तरीके से डिजाइन किया गया है कि यह खासतौर से समुद्री विमान पर उतर सकता है और उड़ान भी भर सकता है। इसमें कुछ खास टेक्निकल स्पेशलिटी है, जो कि इसको खास बनाने का काम करती है। इसमें मजबूत लैंडिंग गियर, जंप स्ट्रट नोज व्हील, अरेस्टिंग हुक जैसी चीजें शामिल हैं। ये सभी शॉर्ट टेक-ऑफ और लैंडिंग के लिए जरूरी होती हैं। इसके अलावा राफेल में एक माइक्रोवेव लैंडिंग सिस्टम होता है, जो कि राफेल को शिप पर आसानी से उतरने में मदद करता है।

अरेस्टिंग हुक का रहता है अहम रोल

राफेल एम के उड़ान भरने से पहले उड़ान दल जहाज की स्थिति और अन्य कारकों समेत जहाज पर उतरने के लिए एक विस्तृत योजना की तैयारी की जाती है। इसके बाद राफेल समुद्री जहाज की ओर आगे बढ़ता है और एक निश्चित ऊंचाई और स्पीड में पहुंचता है। राफेल में एक अरेस्टिंग हुक लगा होता है, जो कि राफेल को जहाज पर उतारने में मदद करता है। यह हुक जहाज की सतह पर एक तार के जरिए जुड़ा होता है और विमान पर इस पर उतरता है तो इस हुक को पकड़ लेता है। राफेल के जहाज पर उतरते ही अरेस्टिंग हुक के जरिए उसको रोका जाता है। राफेल में एक स्पेशल तरह का लैंडिंग गियर लगा होता है, जो इसे जहाज पर उतारने के लिए आसान बनाता है। लैंडिंग गियर जहाज की सतह पर ज्यादा भार सहन कर सकता है और उसे सुरक्षित बनाने में मदद करता है।

रोचक खबरें

धूप से बचने के लिए गाड़ी में लगा लिया छप्पर, लोग हुए हैरान

दुनिया में जुगाड़ लोगों की कमी नहीं है। एक से एक जुगाड़ भरे पड़े हैं। कभी-कभी तो वो अपने जुगाड़ ब्रेन का इस्तेमाल करके कुछ ऐसा बना देते हैं, जिसे देखकर आम लोग हैरान रह जाते हैं। उन्हें आश्चर्य होता है कि आखिर कोई ऐसा कैसे कर सकता है। इंटरनेट पर इनदिनों एक ऐसे ही 'जुगाड़ ताऊ' का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो जिसे इंस्टाग्राम पर far.zieng.ineer नाम के यूजर ने शेयर किया है में दिखाया गया है कि एक बूढ़े शख्स ने धूप से बचने के लिए अपनी लूना पर छप्पर लगा लिया है। ठीक वैसा ही छप्पर जैसा ई-रिक्शा पर लगा होता है। वीडियो में देखा जा सकता है कि ताऊ ने आयरन रड की मदद से लूना पर छप्पर फिट कर लिया है। वीडियो में दिखाया गया है कि एक चौकोर फ्रेम लूना पर सेट किया हुआ है और उसके ऊपर एक लाल रंग का छप्पर लगा हुआ है। वहीं, उन्होंने फ्रेम में झोला भी टांगकर रखा हुआ है। अनोखी गाड़ी को वो सड़क पर दौड़ा रहे हैं, जिसे लोग बड़ी हैरानी से देख रहे हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया गया वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया। वीडियो को पोस्ट किए जाने के बाद से लाखों लोग देख चुके हैं। वीडियो को डेढ़ लाख से अधिक लोगों ने लाइक किया है। वीडियो के कमेंट सेक्शन को यूजर्स ने मजेदार कमेंट से भर दिया है। वीडियो पर टिप्पणी करते हुए एक यूजर ने लिखा, "टू-व्हीलर में फोर-व्हीलर वाला मजा। वाह चाचा, आपने तो मौज कर दी।"

बच्चों को बैठाने के लिए लगाया गजब का जुगाड़, देख-इमोशनल कमेंट की आई बाढ़

बच्चों के लिए जितनी जरूरी मां होती है, उतने ही जरूरी पिता भी होते हैं। मां से जहां बच्चों को जीवन के भावनात्मक पहलू को समझने की सीख मिलती है। वहीं, पिता से उन्हें चीजों लॉजिकल तरीके से देखने की समझ मिलती है। पिता हमेशा मां अलग सोचते हैं। वो बच्चों को खुश रखने के लिए केवल लाड़-प्यार ही नहीं देते बल्कि तरह-तरह के जुगाड़ भी करते हैं। ऐसे ही एक पिता का वीडियो इनदिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में शख्स बच्चों को लूना पर लेकर जाता दिख रहा है। हालांकि, एक साथ तीन बच्चों को लूना पर बैठाने के लिए उसने जो जुगाड़ लगाया है वो देख इंटरनेट की पब्लिक चौंक गई है। इंस्टाग्राम पर rollrida नाम के यूजर द्वारा शेयर किए गए वीडियो में दिखाया गया है कि एक शख्स लूना से जा रहा है। गाड़ी के पीछे उसने एक मुर्गों को रखने वाला पिंजरा बांध रखा है, जिसमें दो बच्चे हैं। वहीं, बच्ची को उसने आगे बैठा रखा है। शख्स का वीडियो उसी रास्ते से गुजर रहे किसी कार सवार ने रिकॉर्ड किया है जो अब वायरल हो रहा है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो को अब तक लाखों यूजर्स देख चुके है। वीडियो को 10 लाख से अधिक लोगों ने लाइक किया है। वीडियो को कमेंट सेक्शन में यूजर्स ने मजेदार के साथ ही इमोशनल कमेंट की बाढ़ ला दी है। कुछ यूजर्स ने वीडियो में फन एंगल ढूंढा है, जबकि कुछ ने पिता की तारीफ की है। कुछ यूजर्स ने इसे खतरनाक भी बताया है।

गूगल में अब तक के 10 सबसे ज्यादा देखे गए यू ट्यूब वीडियो

नई दिल्ली। 17 जून 2016 को कोरियाई एजुकेशनल ब्रांड पिंकफॉन्ग ने बेबी शार्क डांस वीडियो लॉन्च किया। इसने यू ट्यूब के इतिहास में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले वीडियो के रूप में अपनी जगह बनाकर एक मील का पत्थर हासिल किया। इस समय यूट्यूब पर इसके 15 बिलियन से ज्यादा व्यू हैं। इससे यह प्लेटफॉर्म पर 10 बिलियन व्यू को पार करने वाला पहला वीडियो बन गया है। इसके बाद अगर अगला नंबर किसी का आता है तो वह डेस्पासिटो है।

यह लुइस फोंसी द्वारा डैडी यांकी के साथ 2017 में बनाया गया स्पेनिश लैंग्वेज का हिट सॉन्ग है। इसको करीब 8.63 बिलियन बार देखा गया है। यह 2025 तक दूसरा सबसे ज्यादा देखा जाने वाला यूट्यूब वीडियो है। इस प्लेटफॉर्म का फोकस फनी वायरल वीडियो से हटकर प्रोफेशनली तौर पर बनाए गए कंटेंट की तरफ चला गया है। स्टैटिस्टा ने इस बात पर जोर दिया कि अन्य वीडियो कैटेगरी खास तौर पर प्लेटफॉर्म पर ज्यादा ध्यान खींचते हैं। एवेंजर्सः एंडगेम के पहले आधिकारिक ट्रेलर ने अपने पहले 24 घंटों के अंदर 289 मिलियन व्यूज बटोरे , जबकि स्पाइडर-मैनः नो वे होम ने अपने पहले दिन 355 मिलियन से ज्यादा व्यूज के साथ एक नया बेंचमार्क सेट किया। इससे यह अब तक का सबसे वायरल मूवी ट्रेलर बन गया।इसके अलावा, नर्सरी राइम्स जैसे बच्चों के वीडियो ने खास लोकप्रियता हासिल की है। Google के स्वामित्व वाले यू ट्यूब ने वीडियो को काफी बड़े पैमाने पर सुलभ बनाकर डिजिटल युग को मनोरंजन में बदल दिया है।

दुनिया में हैं कई बड़े रहस्य, जिनके राज नहीं खुल सके हैं अब तक

दुनिया में कई ऐसी रहस्यमय चीजें हैं, जिनका सच शायद ही किसी को पता हो। आज हम आपको अपनी खबर में कुछ ऐसी ही रहस्यमयी चीजों के बारे में बताएंगे जिनका राज आज तक नहीं खुला है। इन रहस्यमयी चीजों के बारे में जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे।

केन्या के रुडोल्फ लेक के पास एक आइलैंड है, जिसे 'नो रिटर्न' आइलैंड कहा जाता है। इस आइलैंड पर कोई नहीं रहता है। कहा जाता है कि कई सालों पहले यहां लोग रहा करते थे, लेकिन एक दिन सभी अचानक गायब हो गए। उनका पता आज तक नहीं चल पाया। कहा जाता है कि आज भी जो इस आइलैंड पर जाता है, वह कभी लौटकर नहीं आता।

चीनी व्यक्ति

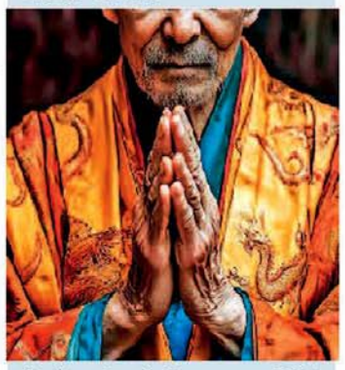

चीन के व्यक्ति थे, जिनका नाम ली चिंग युएन था। इनके बारे में कहा जाता है कि 256 साल की उम्र तक जिंदा था। चीन के रहने वाले ली चिंग दवाइयों के विद्वान थे और इसके लिए उन्हें 100 साल की उम्र में सरकार की तरफ से इनाम भी मिला था। कहा जाता है कि 200 साल की उम्र में भी वह विश्वविद्यालय में लेक्चर देने जाया करते थे। उन्होंने 24 शादियां की थीं, लेकिन उनकी उम्र आज भी रहस्य बनी हुई है।

200 साल की उम्र में भी देने जाया करते थे लेक्चर

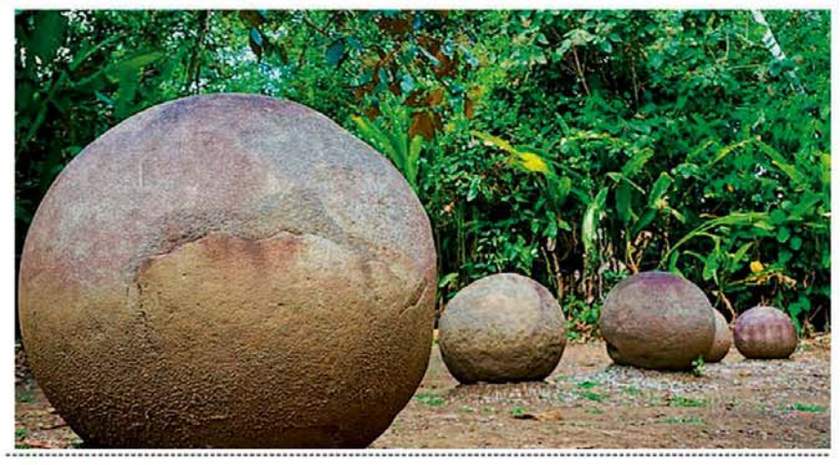

गोल पत्थर

तस्वीर में दिख रहे गोल पत्थरों की खोज करीब 1930 के दशक में की गई थी। 16 टन वजनी इन पत्थरों को हाथ से बनाया गया है। सबसे छोटे पत्थर की आकृति किसी टेनिस बॉल जैसी है। घने जंगलों में इस तरह की आकृति बनाना लगभग असंभव है। इन पत्थरों को किसने बनाया, क्यों बनाया, यह आज तक रहस्य ही है।

क्राप सर्कल

क्रॉप सर्कल दुनियाभर में कई अलग-अलग जगहों पर पायी गई हैं। कुछ लोगों का कहना है कि यह एलियंस का काम हो सकता है, तो किसी को लगता है कि यह चक्रवात जैसे किसी प्राकृतिक आपदा की वजह से बने हैं। लेकिन इतनी सुंदर आकृति को आखिर किसने बनाया, यह रहस्य बरकरार है।

रहस्यमय जीव

स्कॉटलैंड में एक 200 मीटर गहराई वाली झील में एक रहस्यमय जीव दिखा था। साल 1934 में लंदन के एक डॉक्टर ने अजीबोगरीब जीव की तस्वीर अपने कैमरे में कैद की थी। यह जीव इस तरह का दिख रहा था, जो आज से लाखों साल पहले धरती से विलुप्त हो चुके हैं।

दादी ने सब्जियां बेचकर पढ़ाया, अपमान का बदला लेने छोड़ी नौकरी, अब आईपीएस

अगर आपके अंदर मेहनत लगन और कुछ करने का जज्बा है, तो आपको सफल होने से दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती। यह कहानी भी एक ऐसे ही युवा की है, जिसके सिर से बचपन में ही मां बाप का साया उठ गया। दादी ने किसी तरह उसका पालन पोषण किया और बाद में वह अपनी मेहनत के दम पर पहले कांस्टेबल बना. फिर एक अधिकारी से अपमान का बदला लेने की ठानी और अब आईपीएस बनने वाले हैं। यह युवा उन तमाम यूपीएससी अभ्यर्थियों के लिए एक मिसाल बन गया है, जो जरा जरा सी बात पर निराश हो जाते हैं। यह कहानी है आंध्र प्रदेश के विजयवाडा की. यहां के प्रकाशम जिले के उल्लापालेम गांव के उदयकृष्णा रेड्डी ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में 350वीं रैंक हासिल की है।

कम उम्र में खो दिया मां बाप

उदयकृष्णा का जन्म गरीब परिवार में हुआ। कम उम्र में माता-पिता को खो देने के बाद उनकी दादी रमनम्मा ने सब्जियां बेचकर उनका पालन-पोषण किया। उनके चाचा कोटि रेड्डी ने भी उनका साथ दिया। तेलुगु माध्यम के सरकारी स्कूल में पढ़ाई के बाद उदयकृष्णा का सेलेक्शन 2013 में कांस्टेबल के पद पर हो गया। जिसके बाद उन्होंने गुडलुरु व रामयपट्टनम मरीन पुलिस स्टेशनों में काम किया। एक बार एक वरिष्ठ अधिकारी ने उनका अपमान किया, जिसके बाद उन्होंने ठान लिया कि वे आइपीएस बनेंगे।

2018 में छोड़ दी नौकरी

उदयकृष्णा ने आईपीएस बनने के लिए 2018 में पुलिस कांस्टेबल की नौकरी छोड़ दी और यूपीएससी सिविल सविर्सेज की तैयारी करने लगे। यूपीएससी में वह तीन बार असफल रहे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। चौथे प्रयास में उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा में 780वां रैंक हासिल किया, जिसके बाद उनका सेलेक्शन भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) के लिए हो गया, लेकिन उनका सपना आईपीएस बनना था, इसलिए उन्होंने फिर से कोशिश की और इस बार की परीक्षा में उन्होंने 350वीं रैंक हासिल की. अब वह जल्द ही आईपीएस बनेंगे।

यह सफलता का राज

उदयकृष्णा ने यूपीएससी परीक्षा पास करने के बाद एक इंटरव्यू में कहा कि युवा अपना ध्यान मत भटकने दें और अपनी इज्जत को कभी कम न होने दें। उनकी सलाह है कि रोजाना 12 घंटे पढ़ाई करें और पूरा सिलेबस कवर करें. बाद में 8-10 घंटे पढ़ाई काफी हो सकती है। कुछ लोग 6-8 घंटे में भी पढ़ाई पूरी कर सकते हैं सिलेबस पूरा करने में 1.5 से 2 साल लग सकते हैं। उन्होंने कहा कि 8 घंटे की नींद, अच्छा खाना और योग-ध्यान से तनाव को कम किया जा सकता है।तेलुगु माध्यम में पढ़ने के कारण अंग्रेजी सीखना उनके लिए मुश्किल था. उन्होंने कक्षा 1-10 की अंग्रेजी किताबों के अभ्यास किए, एनसीईआरटी अंग्रेजी पढ़ी और रेमंड मर्फी की ग्रामर किताब से पढ़ाई की जिससे उनकी अंग्रेजी बेहतर हुई

सबसे खतरनाक महिला स्नाइपर, जिससे कांपती थी हिटलर की सेना

इतिहास में कई ऐसी महिला हुईं, जिन्हें उनकी वीरता के लिए जाना जाता है। ऐसी ही एक महिला थी ल्यूडमिला पवलिचेंको, जिनका नाम शायद आपने नहीं सुना होगा। इस महिला का नाम इतिहास में दर्ज है। यह महिला इतिहास की सबसे खतरनाक महिला शूटर (स्नाइपर) मानी जाती है। एक ऐसी शूटर जिसने जर्मन तानाशाह हिटलर की नाजी सेना की नाक में दम कर दिया था। इस महिला को सोवियत संघ के 'हीरो' के तौर पर भी जाना जाता है। इस महिला शूटर का नाम ल्यूडमिला पवलिचेंको है। ल्यूडमिला द्वितीय विश्व युद्ध के समय सोवियत संघ की रेड आर्मी में एक बेहतरीन स्नाइपर थीं, वो भी तब जब महिलाओं को आर्मी में नहीं रखा जाता था। लेकिन ल्यूडमिला ने अपने हुनर से न सिर्फ सोवियत संघ बल्कि दुनियाभर में नाम कमाया। कहा जाता है कि सिर्फ 25 साल की उम्र में ल्यूडमिला ने अपनी स्नाइपर राइफल से कुल 309 लोगों को मार गिराया था, जिनमें से अधिकतर हिटलर की फौज के सिपाही थे। स्नाइपर राइफल के साथ अविश्वसनीय क्षमता की वजह से ल्यूडमिला को 'लेडी डेथ' नाम से भी बुलाया जाता था। 12 जुलाई 1916 को यूक्रेन के एक गांव में जन्मीं ल्यूडमिला ने सिर्फ 14 साल की उम्र में ही हथियार थाम लिया था।

उगा रहे हैं दुनिया का सबसे महंगा मशरूम, 15 करोड़ है दिल्ली के नवीन और पूनम का टर्नओवर

नई दिल्ली। आजकल बहुत से किसान हैं, जो खेती से अच्छी कमाई नहीं कर पाते हैं, जिसका कारण होता है उन्हें फसलों के बारे में सही जानकारी न होना. आज हम आपको ऐसे दो किसानों के बारे में बताएंगे, जो पति-पत्नी हैं और इंजीनियर भी, लेकिन उन्होंने नौकरी नहीं की और अपनी खेती को ही व्यवसाय बनाया और आज उनका टर्नओवर लाखों नहीं करोड़ों में है। दरअसल हम बात कर रहे हैं दिल्ली के रहने वाले इंजीनियर पति-पत्नी नवीन और पूनम की. जो दुनिया के सबसे महंगे मशरूम में से एक गुच्छी मशरूम की खेती कर रहे हैं और उससे इनका करोड़ों रुपए का सालाना टर्नओवर है। तो चलिए जानते हैं इन दोनों पति- पत्नी की सफलता की कहानी आपको बता दें, नवीन और पूनम ने एक साथ बीटेक की थी, जिसके बाद नवीन ने मशरूम की खेती करने को ही अपना व्यवसाय बना लिया और अपने पति की मदद करने के लिए अपनी प्राइवेट जॉब छोड़कर पूनम भी इस बिजनेस में आ गईं।

गुच्छी मशरूम क्यों है महंगे और अलग

नवीन ने बताया कि उनके दादा और पिता भी खेती में काफी रुचि रखते थे, इसलिए उन्हें भी खेती में ही कुछ करना था. तभी उन्होंने मशरूम की खेती को ही अपना व्यवसाय बना लिया, लेकिन फिर एक दिन उन्हें गुच्छी मशरूम के बारे में पता चला और इसकी खेती करना शुरू किया। आगे वे बताते हैं, कि यह मशरूम दुनिया का सबसे महंगा मशरूम है।

15 करोड़ रुपए का है सालाना टर्नओवर

नवीन ने बताया, कि बाजार में इस मशरूम का प्रति किलो का रेट 30 हजार के आसपास का है। इसकी यह भी एक बड़ी वजह थी, कि उन्होंने इस मशरूम की खेती करने को अपना व्यवसाय बनाया। आगे उन्होंने बताया, कि इस मशरूम और अन्य कई मशरूम को बेचकर सालाना 15 करोड रुपए का टर्नओवर है और आने वाले साल में हम इस व्यवसाय से करीबन 20 करोड़ रुपए तक टर्नओवर पहुंचा देंगे।

बिजली की कड़कड़ाहट से इस मशरूम के बीज ट्रिगर

इसकी बड़ी वजह ये हैं, कि बादलों में बिजली की कड़कड़ाहट की आवाज से इस मशरूम के बीज ट्रिगर होते हैं, जिसके बाद ही यह मशरूम उगना शुरू होता है। वहीं, इस मशरूम पर डायरेक्टर ऑफ मशरूम रिसर्च सेंटर सोलन में भी कई तरह की रिसर्च हुई हैं। आगे उन्होंने यह भी बताया, कि खुद भी हमने इस मशरूम को उगाने के कई और तरीके ढूंढ निकाले हैं। लेकिन इन तरीकों के बारे में हम बताना नहीं चाहते हैं और इसे अपने बिजनेस के लिए गुप्त ही रखना चाहते हैं।

रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म करना चाहते हैं बाबिल, अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर किया खुलासा

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रहे इरफान खान के बेटे बाबिल खान भी धीरे-धीरे अपने प्रोजेक्ट्स के जरिए बॉलीवुड में अपना एक अलग मुकाम बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में बाबिल ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'लॉगआउट' में नजर आए थे। इसमें उन्होंने एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की भूमिका निभाई थी। अब बाबिल ने अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया है कि वो किस तरह की फिल्म करना चाहते हैं।

अब रॉम-कॉम में नजर आएंगे बाबिल

हाल ही में 'फिल्मीबीट' के साथ बातचीत में बाबिल ने अपने आगामी प्रोजेक्ट और निजी जिंदगी में रोमांस को लेकर बात की। बाबिल ने बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट एक रोमांटिक शो है। उन्होंने कहा, रोमांटिक कॉमेडी जॉनर में मेरी गहरी दिलचस्पी है। मैं वास्तव में रोमांटिक-कॉमेडी करना चाहता हूं। मैं अब एक रॉम-कॉम पर काम कर रहा हूं। हालांकि, बाबिल ने अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में कोई ज्यादा जानकारी नहीं दी। लेकिन इतना तय है कि उनका अगला प्रोजेक्ट एक रॉम-कॉम है।

फोन में नहीं हैं बाबिल के कोई सीक्रेट

इस बातचीत के दौरान बाबिल ने अपने रियल लाइफ प्यार और अपने जीवन के सीक्रेट्स को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि मेरे सीक्रेट्स मेरे फोन पर नहीं हैं। मेरे सारे सीक्रेट मेरे दिल में हैं। अगर मेरा दिल चुरा लिया जाता है, जो आमतौर पर होता है। तो सारे सीक्रेट जाने जा सकते हैं।

अलग-अलग किरदार निभा रहे बाबिल

बाबिल ने अभी इंडस्ट्री में ज्यादा काम नहीं किया है। लेकिन अपने छोटे से करियर में ही वो अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभा रहे हैं। बाबिल चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहते हैं। जो उनकी फिल्मोग्राफी में देखने को भी मिलता है। जिसमें 'कला' से लेकर 'द रेलवे मैन' और 'लॉगआउट' जैसे अलग-अलग किरदार शामिल हैं।

किन-किन किरदारों में टीवी और फिल्मों में अब तक नजर आईं मौनी रॉय, अब भूतनी बन डराएंगी अभिनेत्री

इन दिनों मौनी रॉय अपनी आगामी भूतिया फिल्म द भूतनी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। मौनी ने अपनी शानदार एक्टिंग और स्टाइल से दर्शकों का दिल जीता है। अब मौनी फिल्म द भूतनी में भूतनी बनकर डराने वाली ह। इस फिल्म से पहले किन-किन किरदारों से मौनी ने जीता फैंस का दिल....

मौनी के किरदार

मौनी रॉय ने टीवी और फिल्मों में हर तरह के किरदार निभाए, चाहे वह पौराणिक सती हो, थ्रिलर नागिन, रोमांटिक हीरोइन, या फिर निगेटिव रोल। आज मौनी न सिर्फ अपनी एक्टिंग, बल्कि अपने स्टाइल और डांस के लिए भी जानी जाती हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'द भूतनी' का भी फैंस को बेसब्री से इंतजार है। देवों के देव महादेव से घर-घर में पहचानी गईं मौनी मौनी ने 2007 में एकता कपूर के मशहूर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से अपने करियर की शुरुआत की। इसमें उन्होंने कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया, जो दर्शकों को खूब पसंद आया। मौनी को असली पहचान 2011 में 'देवों के देव महादेव' से मिली, जिसमें उन्होंने सती का पौराणिक किरदार निभाया। यह किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि मौनी घर-घर में मशहूर हो गईं।

नागिन सीरियल से मिली पहचान

2015-2016 में 'नागिन' सीरियल में मौनी ने शिवन्या और शिवांगी की दोहरी भूमिका निभाई। इस थ्रिलर ड्रामे में उनकी नागिन की भूमिका को दर्शकों ने बहुत प्यार दिया, और यह शो टीआरपी में टॉप पर रहा।

फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में जुनून के किरदार से मिली प्रसिद्धि

2022 में 'ब्रह्मास्त्र' में मौनी ने पहली बार निगेटिव किरदार जुनून का रोल निभाया। इस किरदार को दर्शकों ने बहुत पसंद किया और उनकी वर्सेटिलिटी की तारीफ हुई। मौनी ने 'तुम बिन 2' और KGF: चैप्टर 1' में आइटम नंबर भी किए, जो काफी चर्चित रहे।

द भूतनी

द भूतनी एक आगामी हॉरर फिल्म है। जिसे सिद्धांत सचदेव ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म का निर्माण दीपक मुकुट और संजय दत्त ने किया है। फिल्म में मौनी रॉय के अलावा संजय दत्त, सनी सिंह और पलक तिवारी नजर आएंगी। यह फिल्म पहले 18 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह फिल्म को 1 मई, 2025 को रिलीज होगी। पहले इस फिल्म का नाम द वर्जिन ट्री रखा गया था, लेकिन अब फिल्म का नाम द भूतनी है।

हिट 3 के अमेरिका प्रीमियर में शामिल होंगी श्रीनिधि शेट्टी

नानी की बहुप्रतीक्षित फिल्म हिट 3 जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसका फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म भारत में एक मई को रिलीज होगी। वहीं, अमेरिका में इसे 30 अप्रैल को रिलीज किया जाएगा। फिल्म के निर्माता और कलाकार फिल्म के प्रमोशन में जोरों शोरों से लगे हुए हैं। 123 तेलुगु की रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी बहुत जल्द अमेरिका के लिए रवाना होंगी। रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री 30 अप्रैल को अमेरिका के टेक्सास में सिनेमार्क वेस्ट प्लानो सिनेमा के ऑडी 10 में दोपहर 1.30 बजे फिल्म का शो देखेंगी। अमेरिका में फिल्म की एडवांस्ड बुकिंग शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि हिट 3 ने उत्तरी अमेरिका में 175K डॉलर की टिकट बिक्री कर ली है। 'हिट 3' का निर्देशन सैलेश कोलानू द्वारा किया गया है, जिसमें साउथ सुपरस्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ श्रीनीधि शेट्टी भी हैं।

आध्यात्मिक गुरु की भूमिका में नजर आएंगे विक्रांत मैसी

एक्टर विक्रांत मैसी जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे। अपनी नई फिल्म में वो आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म व्हाइट एक ग्लोबल थ्रिलर होगी, जो कोलंबिया 52 साल लंबे चले खूनी गृहयुद्ध को दिखाई। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे श्री रविशंकर ने उसे सुलझाया था। फिलहाल कोलंबिया में फिल्म का प्री-प्रोडक्शन जोरों से चल रहा है। इसी साल जुलाई से इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है। व्हाइट को जानेमाने ऐड फिल्ममेकर मंटू बासी डायरेक्टर करेंगे। फिल्म को पठान, वार जैसी फिल्म बनाने वाले सिद्धार्थ आनंद, महावीर जैन और पीसक्राफ्ट पिक्चर्स के साथ मिलकर बनाएंगे। खबरों की मानें तो श्री रविशंकर के रोल के लिए विक्रांत ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। श्री रविशंकर की तरह दिखने के लिए एक्टर ने अपने वजन और बालों को बढ़ाया है। इसके अलावा वो आध्यात्मिक गुरु की बॉडी लैंग्वेज जानने के लिए उनसे से मिले थे और उनके वीडियो देखते हैं। बता दें कि 12वी फेल और द साबरमती रिपोर्ट जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके एक्टर विक्रांत मैसी ने पिछले साल दिसंबर में एक्टिंग से ब्रेक लेने का ऐलान किया था। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी थी। एक्टर ने अपने पोस्ट में लिखा था अब घर वापस जाने का समय आ गया है।

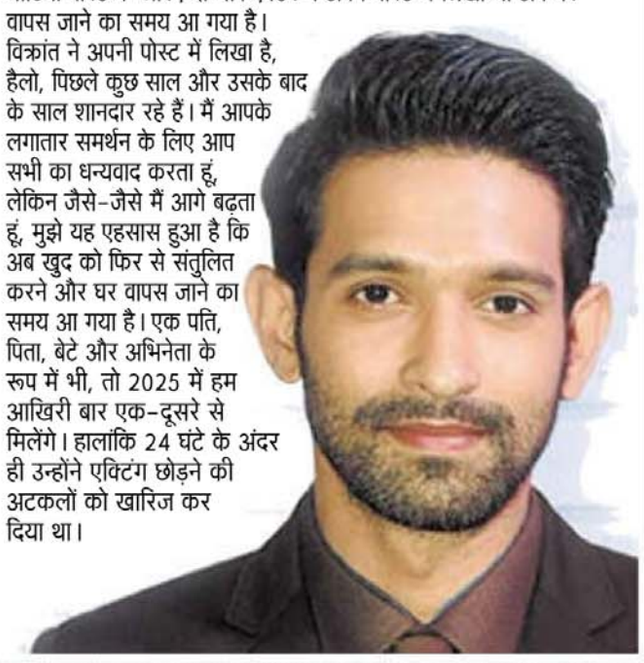

विक्रांत ने अपनी पोस्ट में लिखा है, हैलो, पिछले कुछ साल और उसके बाद के साल शानदार रहे हैं। मैं आपके लगातार समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद करता हूं, लेकिन जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ता हूं, मुझे यह एहसास हुआ है कि अब खुद को फिर से संतुलित करने और घर वापस जाने का समय आ गया है। एक पति, पिता, बेटे और अभिनेता के रूप में भी, तो 2025 में हम आखिरी बार एक-दूसरे से मिलेंगे। हालांकि 24 घंटे के अंदर ही उन्होंने एक्टिंग छोड़ने की अटकलों को खारिज कर दिया था।

मोहित सूरी की 'सैयारा' में चंकी पांडे के भतीजे के साथ आएंगी नजर

मंगलवार को मोहित सूरी की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' के रिलीज डेट और इसके लीड एक्टर्स की आधिकारिक घोषणा हुई। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में चंकी पांडे के भाई चिक्की पांडे के बेटे अहान पांडे और अनीत पड्डा लीड भूमिका में नजर आएंगे। सभी की निगाहें अहान और अनीत पर टिकी हैं। जानते हैं आखिर कौन हैं अनीत पड्डा?

कहां से की अभिनय की शुरुआत?

अनीत पड्डा ने काजोल, विशाल जेठवा और प्रियामणि की 'सलाम वेंकी' से अपने अभिनय की शुरुआत की। साल 2022 में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अनीत ने नंदिनी की भूमिका निभाई थी। साल 2024 में, उन्होंने नित्या मेहरा की वेब सीरीज बिग 'गर्ल्स डोंट क्राई' में अभिनय किया, जहां उन्होंने रूही आहूजा की भूमिका निभाई।

सोशल मीडिया पर मौजूदगी

22 साल की अनीत सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं रहती हैं। हालांकि, वह अपने काम से जुड़े अपडेट लगातार साझा करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 36.3K फॉलोअर्स हैं।

कब रिलीज होगी 'सैयारा'?

मोहित सूरी की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' को लेकर काफी लंबे समय से चर्चा चल रही थी। फिल्म के लीड एक्टर को लेकर तरह-तरह की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। हालांकि, आधिकारिक रूप से इसकी बहुत कम अपडेट सामने आई थी। 22 अप्रैल को इसके निर्माताओं ने मुख्य इसके रिलीज की घोषणा की। रोमांटिक फिल्में पसंद करने वालों को इसके लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। फिल्म 18 जुलाई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आशिकी 2, हमारी अधूरी कहानी और हाफ गर्लफ्रेंड जैसी रोमांटिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। आखिरी बार उन्होंने 'एक विलेन रिटर्न्स' का निर्देशन किया था।

एक कॉमेंट के कारण 1 सेकंड में सब खत्म हो जाता है

इमरान हाशमी ने बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों के प्रदर्शन, सोशल मीडिया के प्रभाव और व्यक्तिगत जीवन पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सिनेमा में दर्शकों की पसंद बदल रही है और फिल्म निर्माताओं को संस्कृति से जुड़ी कहानियों पर ध्यान देना चाहिए। सोशल मीडिया पर संवेदनशीलता को देखते हुए, वे सतर्क रहते हैं।

छावा को अपवाद मान लिया जाए तो दिग्गज स्टार्स भी बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा नहीं दिखा पाए। इसकी वजह क्या है? ऐसे में इस बार लोगों को आपसे बहुत उम्मीद है?

दर्शकों की उम्मीद जायज है मगर हर फिल्म की रिलीज से पहले नर्वसनेस तो होती ही है। ये आज से नहीं है, ये तो 2003 से हैं, जब मैंने अपनी पहली फिल्म फुटपाथ की थी। मगर अब सिनेमा बहुत टेस्टिंग हो गया है। ओटीटी आ गया है, लोगों के पास फोन है और एक अलग तरह का डिस्ट्रैक्शन है। फिर जिस तरह की फिल्में हमारे यहां बन रही हैं, वे विषय हमारी संस्कृति और जड़ों से जुड़ी हुई नहीं हैं, तो ये सच है कि हम इस चीज से जूझ रहे हैं। मैं दुआ करता हूं कि हम जल्द से जल्द इस चीज से उबरें। मगर इतना जरूर कहूंगा कि हम लगातार मेहनत करें और अच्छी फिल्में बनाने की कोशिश करें। वैसे तो हर फिल्मकार एक अच्छी नियत से फिल्म बनाता है। कोई भी अपनी फिल्म का कचरा तो नहीं करना चाहता। मगर ऑडियंस की नब्ज पकड़ना आसान नहीं होता। सिनेमा हॉल में जाने के बाद फिल्म दर्शक की हो जाती है।

आपने जब शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना ज्यादा एक्टिव नहीं था। मगर आज आपकी हर हरकत पर नजर रहती है, तो क्या आप अपने सोशल मीडिया को लेकर अलर्ट रहते हैं?

इसलिए तो मैं इतना ज्यादा ट्वीट नहीं करता। (मुस्कुराते हैं) मुझे तो लगता है कि आजकल बहुत ही संवेदनशील माहौल हो गया है। आज हर किसी के पास अपनी राय रखने का एक जरिया है। समझ में नहीं आता कि लोग ज्यादा सेंसेटिव हो गए हैं या फिर बहुत जल्दी नाराज होने लगे हैं। कोई भी किसी भी बात पर बुरा मान सकता है, तो बहुत ही न्यूट्रल ढंग से चीजों को कहना पड़ता है। पॉलिटिकल, रिलीजियस या फिर निजी भावनाएं हों, कोई भी आहत हो सकता है, तो फिर उस स्पेस में जाने से बचना पड़ता है। आप अगर इसमें से कुछ भी व्यक्त करते हैं, तो आप पर उसकी उल्टी प्रतिक्रिया हो सकती है। एक बैशिंग और एग्रेसिव कैंसल कल्चर भी शुरू हो गया है, जिसके चलते एक कमेंट के कारण आपने इतने सालों में जो कुछ बनाया है, उसे नेस्तनाबूत किया जा सकता है। सब खत्म किया जा सकता है। फिर उसके बाद आपके लिए वापसी का रास्ता नहीं बचता। यह कुछ सेकंड्स में सब जगह फैल जाता है और आप फिनिश हो जाते हो, तो आपको बहुत अलर्ट रहना पड़ता है।

क्या यही कारण है कि आप अपनी पत्नी (परवीन शहानी) और बेटे (अयान) को सोशल मीडिया से दूर रखते हैं?

वे तो खुद सोशल मीडिया पर आना नहीं चाहते और मेरी पहली फिल्म से मेरी पत्नी लाइमलाइट से दूर रही हैं। मेरी पत्नी चूंकि इस इंडस्ट्री से नहीं हैं तो वे नहीं चाहती कि लोग उन्हें सार्वजनिक रूप से पहचानें। इन सब चीजों से दूर रहकर वे अपनी आजादी का आनंद लेती हैं। कुछ महीनों पहले वे कुछ खरीददारी कर रही थीं तो लोगों ने उन्हें पहचान लिया और ये बात उनको बिलकुल भी अच्छी नहीं लगी। वे इन चीजों के लिए नहीं बनी हैं। वे आर्टिस्ट नहीं हैं। उनकी इस बात की मैं बहुत इज्जत करता हूं। जहां तक बेटे की बात है, वह कॉलेज में है और मीडिया या सोशल मीडिया पर उसका इतना ध्यान नहीं है। वह अपनी पढ़ाई पर फोकस कर रहे हैं और इससे डिस्कनेक्टेड हैं, जो अच्छा ही है। मुझे अपने घर में ऐसा माहौल नहीं चाहिए कि घर के नीचे पपाराजी खड़े हों। यह बहुत आर्टिफिशियल लगता है। हम लोग इसे अपनी लाइफस्टाइल में शामिल नहीं करते।

सभी जानते हैं कि आप एक फाइटर पिता रहे हैं। बेटे अयान को कैंसर होने पर आपने भी एक जंग लड़ी, अब पलटकर देखने पर सबसे ज्यादा स्ट्रेंथ क्या लगती है?

मैं इसके लिए ज्यादा क्रेडिट नहीं लेना चाहूंगा क्योंकि हर मां-बाप का यही फर्ज होता है। यह जंग तो लड़नी ही थी। हम सभी में वह हिम्मत होती है कि उस जंग से पार पाना है। मैं आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं तो मैं ही नहीं मेरी बीवी भी यही सोचती है कि हमने उन हालात में हिम्मत कैसे बटोरी। मगर मैं क्या हर पैरंट यही करेगा। आपके सामने जब ऐसे हालत होते हैं, तो उसका सामना करने के साथ-साथ उम्मीद रखना जरूरी होता है।

क्या आप आज भी सीरियल किसर की इमेज से जूझ रहे हैं क्योंकि आप बीते सालों में चीट इंडिया, चेहरे और बार्ड ऑफ ब्लड के बाद ग्राउंड ज़ीरो जैसा गंभीर और अर्थपूर्ण विषय कर रहे हैं?

कितना खुश था मैं कि आपने मुझे सीरियल किलर (टाइगर 3) बना दिया। आपने कुछ तो अलग बोला। मैंने कभी किसी एक इमेज को नहीं भुनाया। मैंने काफी अलग-अलग तरह की फिल्में कीं, मगर वह सीरियल किसर वाली एक इमेज थी, जिसे हम परोस रहे थे। वह इमेज ऑडियंस की नजर में बन गई थी। मगर मैंने हमेशा विविधरंगी भूमिकाएं करने की कोशिश की। मेरे जो फैंस हैं, उन्होंने मेरे अलग तरह के काम को मान्यता भी दी है। मुझे आज भी सीरियल किसर कहने वाले शायद वह लोग हैं, जिन्होंने मेरे एक्सपिरिमेंटल रोल्स नहीं देखे। मेरी वह छवि तो काफी पहले टूट गई थी। अदाकार के रूप में मैं बहुत अलग-अलग फिल्में करना चाहता हूं और ग्राउंड जीरो भी एक अलग किस्म की फिल्म है।

फिर टली जेवर एयरपोर्ट से उड़ान शुरू होने की तिथि

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के पास स्थापित हो रहे जेवर एयरपोर्ट के विषय में बड़ी खबर आई है। जेवर एयरपोर्ट को लेकर बड़ी खबर यह है कि जेवर एयरपोर्ट से जल्दी ही हवाई यात्रा शुरू होने वाली है। बुधवार को जेवर एयरपोर्ट के विषय में उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बड़ी बात कही है। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा है कि जेवर एयरपोर्ट से हवाई उड़ान शुरू करने की तारीख की घोषणा बहुत जल्दी की जाएगी।

जेवर एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों की समीक्षा की है मुख्य सचिव ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने जेवर एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों की विस्तार के साथ समीक्षा की है। इस दौरान उन्होंने साफ-साफ कहा है कि जेवर एयरपोर्ट से हवाई यात्रा जल्दी ही शुरू करने की घोषणा होने वाली है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बुधवार को स्थलीय निरीक्षण कर परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों में लगी विभिन्न एजेंसियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी ली।

इस दौरान यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुणवीर सिंह, जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा, यमुना विकास प्राधिकरण के ओएसडी/नोडल अधिकारी जेवर एयरपोर्ट शैलेंद्र कुमार भाटिया, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्रेलमैन, चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट निकोलस शेंक, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर किरन जैन सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (YIAPL), टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड एवं नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (NIA) के अधिकारियों ने मुख्य सचिव को रनवे, टर्मिनल भवन, कार्गो सुविधाओं सहित अन्य बुनियादी ढांचे की प्रगति से अवगत कराया।

मुख्य सचिव ने सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देशित किया कि एयरपोर्ट के शेष निर्माण कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, और इसके तहत उड़ान संचालन की अंतिम समय सीमा शीघ्र घोषित की जाएगी।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एयरपोर्ट परियोजना की नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए तथा निर्माण की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार एवं व्यापार के नए अवसर सृजित करेगा।

बैठक के उपरांत मुख्य सचिव ने टर्मिनल भवन, कार्गो स्थल एवं अन्य निर्माणाधीन स्थलों का स्थलीय निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

भगवान परशुराम की जयंती मनाई

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में भगवान परशुराम की जयंती का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ चोटपुर कालोनी में मनाया गया। जिसमें कालोनी के सभी निवासी हवन पूजन भंडारे में शामिल हुए।

सांसद प्रतिनिधि भाजपा संजय बाली ने भी पूजा अर्चना की और भगवान परशुराम का आशीर्वाद लिया। साथ ही भगवान परशुराम के दिखाए हुए रास्तों पर आगे चलने का संकल्प लिया।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से भगवान परशुराम ने शस्त्र और शास्त्र के माध्यम से चलना सिखाया है हम अपने आराध्य के सदैव ऋणी रहेंगे कि उन्होंने हमें अपनी पहचान दी, परशुराम सेवा समिति द्वारा यह भव्य आयोजन किया गया।

इस मौके पर मनोज उपाध्याय, एडवोकेट राहुल ठाकुर, राजेश, एडवोकेट बैजनाथ ठाकुर, राजेश राय, जिला महामंत्री मुक्तानंद प्रधान, मनीष तिवारी मंडल अध्यक्ष, गौतम शर्मा मंडल अध्यक्ष, दीपक शर्मा, राकेश शर्मा, देवेंद्र शर्मा, प्रदीप शर्मा, रिंकू, आदेश यादव, पुनीत झा आदि काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' से बचेंगे 4.5 लाख करोड़: डॉ. महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। डीएमई कॉलेज सेक्टर-62, नोएडा में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर विधि के छात्रों के लिए आयोजित गोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रदेश महामंत्री भाजपा युवा मोर्चा वरुण गोयल, मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वर्तमान सांसद गौतमबुद्ध नगर डॉक्टर महेश शर्मा तथा भाजपा नोएडा महानगर जिला अध्यक्ष महेश चौहान उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश सोशल मीडिया सदस्य अर्पित मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में डीएमई कॉलेज के चेयरमैन विनय साहनी, निदेशक पूर्व न्यायमूर्ति भंवर सिंह तथा कार्यक्रम संयोजक एवं 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के प्रस्तावक गणेश जाटव एवं सह संयोजक भूपेश चौधरी एवं अनुज शर्मा भी उपस्थित रहे।

वरूण गोयल ने कहा कि हर साल कहीं न कहीं चुनाव, नेता प्रचार में, अफसर तैनात, विकास रुका, खर्च बेहिसाब। क्या इससे देश आगे बढ़ेगा? अब वक्त आ गया है कि हम 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की ओर बढ़ें-ताकि नीतियां बनें, काम हो, और जनता को बार-बार परेशान न होना पड़े।

अगर एक साथ चुनाव होते हैं तो लाखों करोड़ रुपए की बचत होगी- जो आज बार-बार होने वाले चुनावों में उड़ जाता है। इतना पैसा तो सरकार के हेल्थ और एजुकेशन बजट का बड़ा हिस्सा बन सकता है!

युवाओं को अपने उद्बोधन में डॉक्टर महेश शर्मा ने कहा कि मतदाताओं को बार-बार लाइन में लगने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी, अफसरों को काम से बार-बार हटाना नहीं पड़ेगा, और सबसे बड़ी बात - सरकारें आराम से बिना चुनावी दबाव के काम कर पाएंगी।

सांसद ने कहा कि भारत में बार-बार होने वाले चुनावों पर 4 से 7 लाख करोड़ रुपए तक खर्च होता है। अगर यह व्यवस्था लागू होती है, तो देश की GDP का लगभग 1.5 प्रतिशत यानी लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपए की बचत संभव है। यह राशि केंद्र सरकार के स्वास्थ्य बजट का 50 प्रतिशत और शिक्षा बजट का 33 प्रतिशत है जिसे जनकल्याण में लगाया जा सकता है। जिलाध्यक्ष महेश चौहान ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव कुशल शासन की दिशा में एक रणनीतिक कदम है।

कार्यक्रम में मनोज चौहान, सुमित शर्मा, दीपक शर्मा गुरनीत सिंह, आशय इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विकास में मील का पत्थर साबित होगा छपरौला आरओबी

नोएडा (चेतना मंच)। गाजियाबाद के छपरौला क्षेत्र में हाल ही में बनकर तैयार हुआ रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) न केवल यातायात की सुविधा को बढ़ावा देगा, बल्कि यह क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक ठोस कदम भी सिद्ध होगा। वर्षों से लंबित इस आवश्यकता की पूर्ति अब जाकर संभव हो पाई है, जिसका श्रेय पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर को जाता है।

श्री नागर ने इस पुल के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास किए और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बार-बार संपर्क कर इस कार्य को प्राथमिकता दिलवाई। उनके समर्पण और प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि आज यह पुल जनता के लिए खोल दिया गया है।

छपरौला आरओबी के शुरू होने से क्षेत्र के लाखों लोगों को रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। यातायात की सुगमता के साथ ही औद्योगिक गतिविधियों और व्यापारिक आवागमन को भी गति मिलेगी। यह ब्रिज न सिर्फ एक निर्माण परियोजना है, बल्कि यह इस बात का प्रतीक भी है कि जब कोई जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेकर ठोस कदम उठाता है, तो सकारात्मक परिणाम अवश्य मिलते हैं।

छपरौला आरओबी एक जनपक्षधर पहल और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति का उदाहरण है। श्री नवाब सिंह नागर के प्रयास यह साबित करते हैं कि जब जनप्रतिनिधि जनहित को प्राथमिकता देते हैं, तो विकास की राह आसान होती है। यह पुल केवल एक संरचना नहीं, बल्कि विकास और भरोसे की बुनियाद है।

सफाई में लापरवाही बरतने पर दो एजेंसी पर 2.5 लाख का जुर्माना

एसीईओ ने किया भंगेल, डीएससी रोड व सलारपुर का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। नाले में गंदगी और सड़क पर साफ-सफाई नहीं होने पर प्राधिकरण अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) संजय खत्री ने 2.5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। इस मौके पर उनके साथ महाप्रबंधक एसपी सिंह, जनस्वास्थ्य खण्ड-2 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक आरपी शर्मा (जन स्वास्थ्य) एसपी सिंह के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एसीईओ ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिये कि एलिवेटेड रोड के नीचे सड़क को ठीक किया जाए, फुटपाथ सेंट्रल वर्ज आदि कार्यों को पूरा किया जाए। भंगेल में सुपर सकर मशीन से नाले की सफाई कार्य होता मिला। इसे 7 दिन में पूरा करने के लिए कहा गया। इसके अलावा नाले में कई स्थानों पर फ्लोटिंग मैटेरियल तैरता हुआ मिला। इसे रोजाना नहीं निकाला जा रहा था। ऐसे में अमृत कंस्ट्रक्शन पर 50 हजार रुपए की जुर्माना लगाया गया।

निर्देशित किया गया कि सभी वेंडर अपने यहां डबल डस्टबीन रखे और कूड़ा गाड़ी को ही कूड़ा दें। सलारपुर में डोर टू डोर गारबेंज कलेक्शन के लिए गाड़ी की संख्या बढ़ाने के लिए कहा गया। वहीं भंगेल और सलारपुर में सड़क पर अतिक्रमण मिला। जिसे तत्काल हटाने के लिए कहा गया। डीएससी रास्ते पर मैकेनिकल स्वीपिंग सही नहीं मिली। ऐसे में न्यू मार्डन इंटरप्राइसेस पर 2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

सेक्टर-82 श्रीमद् भागवद कथा

भक्त ध्रुव चरित्र का किया रोचक वर्णन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा एवं श्री विष्णु महायज्ञ के तीसरे दिन कथा व्यास आचार्य अमित दीक्षित ने कपिलोपाख्यान के उपरांत ध्रुव चरित्र का रोचक वर्णन किया। मनु और शतरूपा के दो पुत्र हुए और तीन पुत्रियां। पुत्रों के नाम प्रियव्रत और उत्तानपाद। राजा उत्तानपाद की दो रानियां हैं एक का नाम सुरुचि और दूसरी का नाम सुनीति है। राजा सुरुचि को अधिक प्यार करते हैं जिनके पुत्र का नाम उत्तम है और सुनीति के पुत्र का नाम ध्रुव है। बालक ध्रुव एक बार पिता की गोद में बैठने की जिद करने लगता है लेकिन सुरुचि उसे पिता की गोद में बैठने नहीं देती है। ध्रुव रोता हुआ मां सुनीति को सारी बात बताता है, मां की आंखों में आंसू आ जाते हैं और वह ध्रुव को भगवान की शरण में जाने को कहती हैं।

पांच वर्ष का बालक ध्रुव राज्य छोड़कर वन में तपस्या के लिए चला जाता है। नारद जी रास्ते में मिलते हैं और ध्रुव को समझाते हैं कि मैं तुम्हें पिता की गोद में बैठाउँगा लेकिन ध्रुव ने कहा कि पिता की नहीं अब परम पिता की गोद में बैठना है। कठिन तपस्या से भगवान प्रसन्न हो वरदान देते हैं । आयोजन समिति के सदस्य राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 1 मई को वामन अवतार, राम जन्म, कृष्ण जन्म आदि कथाओं का वर्णन किया जाएगा।

इस अवसर पर महंत ओम भारती जी महाराज, फलाहारी महाराज, विकास भारती जी, यज्ञाचार्य मनोहर दीक्षित, अशोक कुमार, परदेशी, गोपेश पांडेय सहित तमाम भगवत्प्रेमी भक्त मौजूद रहे।